जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, गुरुवार 2 दिसम्बर, 2021

पिछले 15 वर्षों से गीतांजली हॉस्पिटल आपके स्वास्थ्य का साथी

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, उदयपुर | गीतांजली कैंसर सेंटर उदयपुर

NABH ACCREDITED | GMCH GEETANJALI HOSPITAL HEALTH IS HAPPINESS

विश्वस्तरीय एडवांस टेक्नोलोजी
उचित दरों में आपके द्वार

PET-CT SCAN

Discovery IQ Gen 2
3 Ring

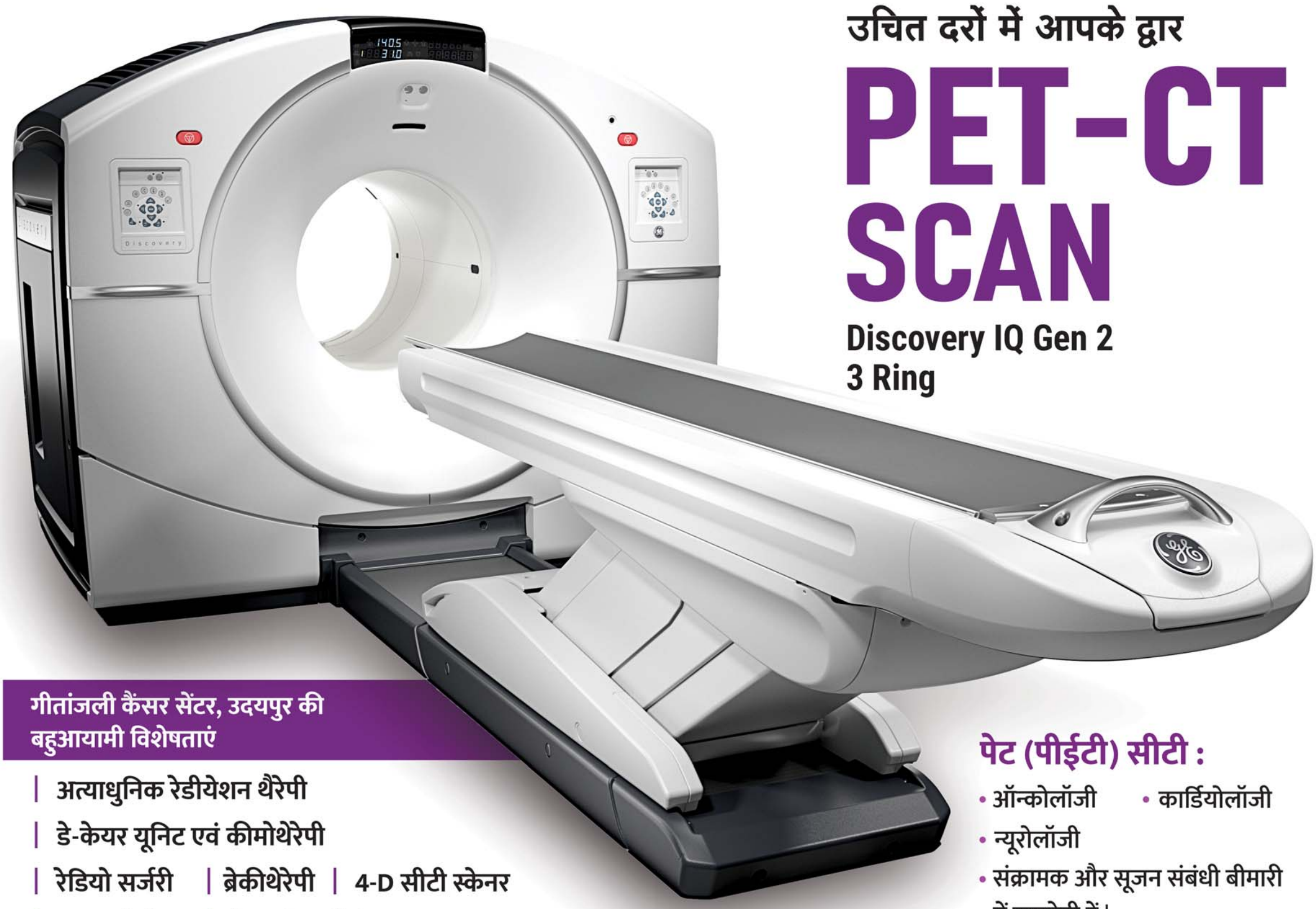

गीतांजली कैंसर सेंटर, उदयपुर की बहुआयामी विशेषताएं

- अत्याधुनिक रेडीयेशन थैरेपी
- डे-केयर यूनिट एवं कीमोथेरेपी
- रेडियो सर्जरी | ब्रेकीथेरेपी | 4-D सीटी स्केनर
- 4-D वर्कस्टेशन | कैंसर हेतु ऑपरेशन सुविधाएं

पेट (पीईटी) सीटी :

- ऑन्कोलॉजी • कार्डियोलॉजी
- न्यूरोलॉजी
- संक्रामक और सूजन संबंधी बीमारी में उपयोगी हैं |

रेडियेशन ऑन्कोलोजिस्ट	मेडिकल ऑन्कोलोजिस्ट	सर्जिकल ऑन्कोलोजिस्ट	क्लीनिकल हेमेटोलोजिस्ट	न्यूक्लियर मेडिसिन	ऑन्को एनेस्थेटिस्ट एवं पेन एंड पैलिएटिव केयर
डॉ. ए.आर. गुप्ता डॉ. रमेश पुरोहित डॉ. किरण चिगुरूपल्ली	डॉ. अंकित अग्रवाल डॉ. रेणु मिश्रा	डॉ. आशीष जाखेटिया डॉ. अरूण पांडेय	डॉ. प्रतिभा धीमान	डॉ. नीतिश राज	डॉ. सीमा परतानी डॉ. नवीन पाटीदार

अब तक के लाभार्थी

43,373+	4,018+	2,43,000+	1050+	290+
कीमोथेरेपी	सर्जरी	रेडियोथेरेपी	ब्रेकिथेरेपी	रेडियोसर्जरी

ट्यूमर बोर्ड / TUMOR BOARD

इस बोर्ड के अन्तर्गत कैंसर की चारों शाखाएं प्रत्येक कैंसर ट्यूमर का समन्वित एवं योजनाबद्ध तरीके से उपचार को सुनिश्चत करती है।

Linear Accelerator
Elekta Vera HD
SRS, SBRT, IGRT,
VMAT, IMRT, 3D CRT

I AM AND I WILL | World Cancer Day | Say No to Cancer KNOW NOW | THE BEST PROTECTION IS EARLY DETECTION

• मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (MMCSBY) • राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS) • भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS)
• कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) • उत्तर पश्चिमी रेलवे (NWR) • हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) • स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI)
• भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) • राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMM)
• भारतीय खाद्य निगम (FCI) • सभी महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत है।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल | नेशनल हाईवे-8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.) | +91 77420 10111 | 91161 51129 +91 294 250 0044

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

शासनतंत्र में प्रलोभनों से ही भ्रष्टाचार पनपता है

आज हर ओर एक ही शिकायत सुनने को मिलती है कि हमारी और हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ भ्रष्टाचार है जो व्यवस्था में खामी की वजह से है। सभी भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाली व्यवस्था को बदलने की बात तो करते हैं किन्तु यह कैसे हो इसका कोई सर्वसम्मत जवाब नहीं मिलता। व्यवस्था तंत्र का तो हर अंग दूसरे के पाले में गेंद सरका देता है। इस जटिल मुद्दे की विवेचना से पहले कुछ जरूरी सामयिक सवाल पूछ लेना उचित होगा। क्या सत्ता भ्रष्ट होती है, या भ्रष्ट लोग सत्ता की ओर खिंचे चले आते हैं? लोग गबन करते हैं, रिश्वत लेते हैं और पुलिस वाले जो बेकसूरों को फंसाते हैं और अपराधियों को भागने में मदद करते हैं क्या वे सब व्यवस्था के परिणाम हैं या वे सिर्फ बुरे लोग हैं? यदि किसी को अचानक सत्ता मिल जाये तो क्या वह अपनी जेब भरने या अपने दुश्मनों से बदला लेने के प्रलोभन से अपने आप को बचा पाने में सक्षम होगा? नेता के बारे में हमारी सबसे बुनियादी धारणा क्या है? जब कोई राजनेता शीर्ष पर पहुंचता है तब उसके दिमाग में क्या चल रहा होता है? इन सवालों के साथ एक सवाल यह भी उठता है कि ऐसा क्यों लगता है कि लोकतंत्र में लोग गलत कारणों से गलत लोगों को सत्ता सौंपने के लिए किसी न किसी तरह आकर्षित हो जाते हैं। क्या व्यवस्था व्यक्तिगत व्यवहार को दिशा देती है? ये वे सवाल हैं जिनसे हम अपनी आज की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझने का आधार बना सकते हैं। ये वे परिस्थितियां हैं जो लोकतान्त्रिक शासन में निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। निर्णय लेने की प्रक्रिया का निरंतर ऑडिटिंग एक अच्छे और सुचारु लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है वह क्यों नहीं होती? भारतीय संविधान ने यह काम विधायिका तथा न्यायपालिका के जिम्मे निर्धारित किया है, किन्तु यह व्यवस्था पूरी तरह असफल रही है। सरकार के फैसलों के पीछे की कहानियां कभी साफ-साफ सामने नहीं आ पाती हैं। .

यह साफ दिखता है कि सत्ता राजनेता को ऐसा महसूस कराती है कि जैसे वह सर्वशक्तिमान हो गया है। नेता में ऐसा भाव आ जाना उसके भ्रष्ट आचरण की ओर झुकने का पहला संकेत होता है। तो यूं भी कह सकते हैं कि सत्ता व्यक्ति को भ्रष्टाचार की ओर धकेलती है। शासन में भ्रष्टाचार की परिभाषा भी यही है कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा किया गया बेईमानी का व्यवहार। वास्तव में यह बेईमानी का व्यवहार इतना विस्तृत होता है कि जिसकी कल्पना तक सामान्य जन नहीं कर पाते। कोई भला व्यक्ति सत्ता की राजनीति में आ कर भ्रष्ट कैसे हो जाता है? कुछ लोग मानते हैं कि लोग अपने आप ही अचानक भ्रष्ट हो जाते हैं; दूसरों का मानना है कि लोग सत्ता से प्रभावित होकर शनैः शनैः भ्रष्ट होते हैं।

देश में सत्ता के साथ भ्रष्टाचार का मेल एक खतरनाक व्यवस्था बन गयी है। भ्रष्टाचार में डूबे लोग यह नहीं देख पाते कि क्या सही है और क्या गलत है और क्या अच्छा और क्या बुरा है क्योंकि वे अपने को ताकतवर समझने लगते हैं। सत्ता की ताकत का अर्थ है दूसरों को दबाना, दूसरों को नियंत्रित करना, दूसरों पर शासन करना, दूसरों को अपनी इच्छाओं के अनुसार चलाना। यह ताकत नेता को सुख देती है। इसलिए, जो नेता सत्ता की ताकत पाता है, वह अपने को और अधिक शक्तिशाली बनाना चाहता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि ऐसा करके वह अपनी ताकत के एहसास के आनंद को और बढ़ाना चाहता है। दूसरी तरफ सत्ता साधारण और भले लोगों को नैतिक रूप से भी नीचे गिराती है। हमने यहां तक देखा है कि संत और महात्मा भी अपनी सत्ता के भ्रष्ट प्रभाव से अछूते नहीं रह पाते हैं।

युवा सरकारी अधिकारी जो बदलाव लाने के जज्बे के साथ प्रशासन तंत्र में बड़े उत्साह के साथ आते हैं वे भी सत्ता में रहते हुए भ्रष्ट हो जाते हैं। ऐसा तब होता है जब वे अपने हाथ में वह ताकत पाते हैं जिससे वे प्रतिस्पर्धी बाज़ार में किसी को लाभ पहुंचाने की स्थिति में होते हैं। ऐसे में भले अधिकारी भी बेईमानी की राह पर चल पड़ते हैं। उनका भ्रष्ट आचरण उसी क्षण शुरू हो जाता है जब वे मामूली उपहार स्वीकार करना शुरू करते हैं। धीरे-धीरे वे महंगे उपहार स्वीकार करने लगते हैं। बाद में पक्षपात करने के बदले में रिश्वत की बड़ी बड़ी राशियां स्वीकार करने में भी उनको कोई हिचक नहीं लगती। इसमें वे राजनेताओं को भी अपने जैसा बनाने के जतन कर लेते हैं। राजस्थान में लगभग रोजाना ही रिश्वत लेते पकड़े जाने के मामले जिस प्रकार सामने आ रहे हैं वह प्रशासनिक तंत्र में गहरे पैठी हुई अनैतिकता और बेईमानी को ही दर्शाते हैं। इसमें अब तो राजनेता भी पकड़े जा रहे हैं। यह भी किसी से छुपा नहीं है कि चुनावी राजनीति में शामिल होने की लोगों की बढ़ती आकांक्षा के पीछे अपने और अपनों के लिए धन-संपत्ति बना लेने की कामना ही सर्वोपरि होती है। लोक हित की बातें अब सिर्फ ज़ुबान पर होती है, दिल और दिमाग से नहीं होती।

ईमानदार सामाजिक एवं राजनीतिक नेतृत्व ही लोगों में बेईमान सत्तावादी प्रवृत्तियों के खिलाफ ऐसा जज़्बा पैदा कर सकता है जो प्रलोभनों को नकार सके। आत्म संयमी बनने की कठिन राह पर चलना महात्मा गांधी ने सिखाया था वही भ्रष्ट सत्ता के पिशाच को मारने के लिए सबसे कारगर उपाय हो सकता है।

आधुनिक भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण मोड लाने वाले 'आपातकाल' के बाद सर्वोच्च न्यायालय के अवकाशप्राप्त मुख्य न्यायधीश जे. सी. शाह ने वर्ष 1978 में इस समस्या को स्पष्ट तौर पर हमारे सामने रखा था तथा इससे उबरने का रास्ता भी सुझाया था। लोगों को याद होगा कि न्यायमूर्ति शाह ने आपातकाल के दौरान शासन द्वारा हुई ज़्यादतियों, कदाचारों और गलत कामों की जांच की थी। उन्होंने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा था–"... साक्ष्यों से पता चला है, बेईमानी और झूठ तो आपात स्थिति के दौरान एक सरकारी रवैया बन गया था।" तब से अब तक रेगिस्तान में न जाने कितने रेत के धोरे अपना स्थान बदल चुके हैं। किन्तु आज भी बेईमानी के सरकारी रवैये की परिस्थितियां ज्यों की त्यों बनी हुई है। वास्तव में हालात बद से बदतर ही हुए हैं। ऐसा होना रोका जा सकता था यदि उनके निराकरण के लिए जो अपेक्षा न्यायमूर्ति शाह ने अपनी रपट में की थी उस पर अमल होता और सच्चे मन से एक सशक्त लोकतंत्र बनाने का प्रयास होता। परंतु जैसा कि होता रहा है कि न्यायिक आयोगों की रिपोर्टें अलमारियों में पड़ी धूल खाती हैं और उन पर कोई ध्यान ही नहीं देता, शाह आयोग की रिपोर्ट के प्रति खोजना भी आज मुश्किल होगा।

अपनी रिपोर्ट में जस्टिस शाह ने कहा था:– "अगर हमें अपने देश के प्रशासन तंत्र को अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बनाना है तो प्रशासनिक सेवाओं को चाहिए कि वे ईमानदार व कार्यकुशल प्रशासन के आधारभूत आदर्शों के लिए दृढ़ता से काम करें और अपने को कसौटी पर खरा उतार कर दिखाएं। केवल यही वह तरीका है जिसके जरिये प्रशासन के प्रति जनता का खोया विश्वास फिर से पनप सकता है। अगर हमें भावी पीढ़ियों के लिए एक लोकतान्त्रिक उत्तरदायी परंपरा छोड़नी है तो हमें देश की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक योजनाओं में सत्य को उसका उचित स्थान फिर से देना होगा। इसमें असंभव कुछ भी नहीं। "न्यायमूर्ति शाह ने जब ये पंक्तिया आपातकाल की ज़्यादतियों पर अपनी रिपोर्ट में लिखी तब जैसी परिस्थितियां थी आज उससे भी भयानक परिस्थितियां हमारे सामने हैं। मगर जब ऊपर से नीचे तक झूठ और फरेब से ही काम सधते हों तब 'सत्य को उसका उचित स्थान' देने की बात करना भी बेमानी लगता है। आज तो लगता है हालात एकदम हाथ से ही निकल गए हैं क्योंकि प्रशासनिक सेवाओं के लोग लोक सरोकारों की तिलांजलि देते हुए जिस प्रकार सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति के प्रति वफादारी अब निभा रहे हैं वह अभूतपूर्व है। अब ऊपर से दबाव की जगह अफसरों की अपनी महत्वाकांक्षाएं भी उनके व्यवहार तय करने लगी हैं। जिस बड़ी संख्या में सेवानिवृत्ति के बाद प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को सरकारी और अर्धसरकारी संस्थाओं में उनकी नियुक्तियां होती हैं उसके बुरे नतीजे सामने आने पर भी किसी को तकलीफ नहीं होती। अफसरों की चुनावी राजनीति की महत्वाकांक्षाएं भी सिर चढ़ी हुई हैं।

कोई भी निर्बाध सत्ता एक सच्चे लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं होती। उस पर सतत अंकुश बना रहना जरूरी है वरना उसके अधिनायकवाद में बदल जाने में समय नहीं लगता। भारतीय संविधान ने सत्ता पर नियंत्रण और संतुलन का प्रभावी इंतज़ाम किया है फिर भी सतर्क नागरिक ही सत्ता की ताकत के दुरुपयोग के खिलाफ एकमात्र सुरक्षा के उपाय हो सकते हैं। ताकतवर नेताओं, नौकरशाहों और अन्य के संदिग्ध कार्यों को बेनकाब करने में मीडिया के लोग अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते है बशर्ते कि वह खुद उनसे गठबंधन न कर बैठे। एक मजबूत न्यायपालिका भी सत्ता के दुरूपयोग पर लगाम लगा सकती है जिसकी संविधान ने व्यवस्था कर रखी है। किन्तु ये सारी व्यवस्थाएं धरी रह जाती है जब लालच सिर पर चढ़ जाता है। सतर्क नागरिक अपने आप तैयार नहीं हो सकते। उसके लिए भी शिक्षण की जरूरत होती है। किन्तु हमारी शिक्षा प्रणाली इस काम के लिए तैयार नहीं है। ईमानदार सामाजिक एवं राजनीतिक नेतृत्व ही लोगों में बेईमान सत्तावादी प्रवृत्तियों के खिलाफ ऐसा जज़्बा पैदा कर सकता है जो प्रलोभनों को नकार सके। आत्म संयमी बनने की कठिन राह पर चलना महात्मा गांधी ने सिखाया था वही भ्रष्ट सत्ता के पिशाच को मारने के लिए सबसे कारगर उपाय हो सकता है।

–अतिथि संपादक
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थानी काव्य में गांधीजी :
"दुनिया गांधी न समझैली, आ धरा सरग ज्यूं बणजासी"

यद्यपि अजमेर और ब्यावर के अतिरिक्त राजस्थान के किसी भी भाग में महात्मा गांधी (1869-1948 ई.) का पदार्पण नहीं हुआ किन्तु देश के अन्य भागों की भांति तत्कालीन राजपूताने की देशी रियासतों का जन जीवन भी उनके क्रियाकलापों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका। यहां के निवासियों पर समय-समय पर शोषण व अन्याय के विरूद्ध किये गये आंदोलनों में गांधीजी का नैतिक समर्थन और मार्ग दर्शन बराबर मिलता रहा। अनेक राजस्थानी साहित्यकारों ने भी अपने काव्य के माध्यम से गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राजस्थान के वीरों ने तोप, तलवारों और बंदूकों से शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी किन्तु गांधी एक अहिंसा हथियार से ही महान् योद्धा सिद्ध हुए। श्री सांवल दान आसिया के शब्दों में:-

"बिन तोपां, बंदूकां, बिन तरवारा, बिन तीर।
एक अहिंसा हूत हूं, बणियों गांधी वीर॥"

घर में दीवार पर देवी-देवताओं के साथ गांधीजी का भी चित्र लगा हुआ है। बालक अपनी मां से पूछता है क्या यह भी कोई देवता है? बीकानेर के स्व. श्री गिरधारी सिंह पड़िहार के शब्दों में मां बच्चे को समझाती है:-

ओ बीज नाख रमम्यो बाबो, धन बरसैला ऊंचो आसी,
दुनियां गांधी न समझेली, आ धरा सरग ज्यू बणजासी।
तू भोलो टाबरियो छोटो, जद मोटो होसी भाव भर्‌यो।

समझैलो गांधी बाबा न, ओ कियां जियो ओ कियां मर्‌यो॥

अर्थात् यह उस गांधी बाबा का चित्र है जो बीज (आजादी) की बुवाई कर अंतर्ध्यान हो गया। ज्यों-ज्यों इस बीज का पौधा प्रस्फुटित होकर बड़ा होगा और फल देगा तब धन-धान्य की वर्षा होगी। जब यह विश्व गांधी को समझने लगेगा तब यह पृथ्वी स्वर्ग बन जायेगी। मेरे बच्चे। अभी तूं छोटा है, जब बड़ा हो जायेगा तब तेरे समझ में आयेगा कि उसने किस प्रकार से अपना जीवन व्यतीत किया और किस प्रकार से स्वर्ग को सिधान गया।

श्री लल्लू प्रसाद 'सुमन' ने गांधीजी की ज्ञानी और दानी की परिभाषा व्यक्त करते हुए लिखा है–

"या है गांधी जी की बाणी रे,
ऊंच नीच का बंधन तोड़े सोही ज्ञानी रे।
हरिजणां न गलै लगावे, बोले मीठा बोल,
मिनख मिनख न भाई मानें, मन की घुंड़ी खोल,
सोही सांचो दानी रे, या है गांधी जी की बाणी रे॥"

जहां कही भी बापू जाते, अपार जन समूह उनका हृदय से स्वागत करता और वातावरण सुखमय हो जाता। कविराज मेघराज मुकुल के काव्य का रसास्वादन कीजिये –

"तारा झुक झुक झांरवण लाग्या, चांदडलो मुसकायो।
पवन झकोरो बांध घुंधरू, ठुम्मक ठुम्मक आयो॥
बादलियो बूंदा कँ सुरमें, रिमझिम गीत सुनायो।
आज देश री धरती जागी, गांधी बाबो आयो॥
आजादी री लड़ी लड़ाई सात समंदर हाल्या।
गोरा बिस्तर बांध बापडा, पाछा घर न चाल्या"॥

राजस्थानी के सुप्रसिद्ध कवि बुद्धि प्रकाश पारीक ने लिखा है कि बापू सजग और सुदृढ़ थे तथा सत्य में सबसे आगे थे –

"ज्यूं काली कॉमल पर, कोई रंग न लागे,
ज्यूं सामंत मरजाय, न रण सूं ओठो भागे।
ज्यू जग के सोयां, रात भर जोगी जागे,
त्यूं बापू छा सजग, सुदृढ़ सत मं सब आगे"॥

गांधीजी के साथ माता कस्तूरबा के त्याग का महत्व भी कम नहीं है। वह पतिव्रत रूपी पतवार लिए हुए बापू की छाया के समान सदैव अपना योग देती रही। श्रीमती मधुमति प्रभूणे ने राष्ट्रमाता 'बा' को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा है–

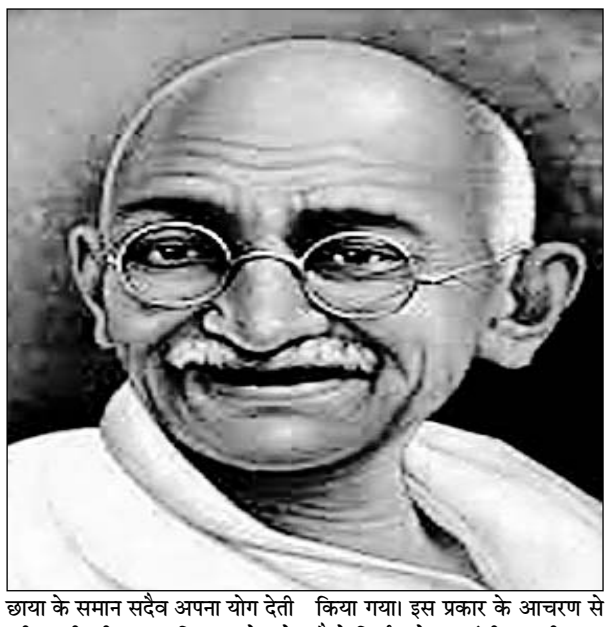

"करड़ी री कस्तूरबा साजन रो सत पेख।
छाया जिम छाई रही, गांधी गौरव मेख॥
रामलार सीता रही, रुक्मण किरसन लार।
बापू लारे 'बा' रही, पतिव्रत री पतवार॥"

कविवार मोहर सिंह राठौड़ ने लिखा है कि बापू के निधन के बाद उनका गुणगान तो बहुत हुआ है किन्तु उनके गुणों का अनुसरण नहीं किया गया। इस प्रकार के आचरण से कैसे निर्वाह होगा? गांधीवाद की आड़ लेकर जो जानबूझकर अत्याचार करते हैं। उन्हें गांधीजी का नाम लेने का अधिकार नहीं है।

"गांधी गुण गाया धणा, पण धार्‌या न एक।
सोचो हिरदे हाथ रख, कींकर रहसी टेक॥
गांधीवाद री ओट से, जुलम करे जानेह।
नाम लेणरो हक नहीं, गांधी रो बानेह॥"

– देवी सिंह नरूका,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

ममता से मुक्ति या ममता में मुक्ति

शारीरिक स्वायत्तता (ऑटोनोमी) की रक्षा करना, अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए आवश्यक है। इसकी सुरक्षा के लिए स्वतः विकसित रक्षा संस्थान जीन (आनुवांशिक गुण सूत्र) आधारित होता है। यह रक्षा संस्थान स्वायत्तता के लिए शरीर की जीन संरचना को पहचानता है, उसे आत्मसात करता है। किन्हीं दो व्यक्तियों की जीन संरचना एक जैसी नहीं होती, सिवा युनिओव्यूलर (एक ही ओवम - स्त्री बीज - से विकसित) जुड़वां बच्चों के। शरीर का रक्षा संस्थान इसे पहचानता है और इसकी रक्षा करने को प्रतिबद्ध, अपना प्रतिरक्षा संस्थान विकसित करता है। स्वयं की जीन संरचना से इतर अन्य कोई भी जीन संरचना के तत्व को प्रतिरक्षा संस्थान शरीर में प्रवेश नहीं करने देता। और अगर किसी तरह प्रवेश कर भी जाए तो उन्हें नष्ट कर बाहर फेंक देता है। इस प्रतिरक्षा प्रक्रिया को इम्यूनिटी कहते हैं।

अगर किसी के शरीर में उसके जीन से इतर जीन का प्रवेश करवाना हो तो पहले उसके प्रतिरक्षा संस्थान को मनाना होता है, उसका शमन करना होता है, उसे प्रभावित कर अपने पक्ष में करना होता है। यह प्रकृति का शाश्वत नियम है। भ्रूण के आधे गुणसूत्र पिता से आते हैं। ये विषम गुणसूत्र माता के रक्षा संस्थान को सहज स्वीकार नहीं होते। आवश्यक है कि भ्रूण के आगमन से पहले माता के रक्षा संस्थान को इनके प्रति जागरूक, संवेदनशील और अनुकूल बनाया जाय।

प्रजनन में भ्रूण के पितृ जीन के प्रति मातृ रक्षा संस्थान की संवेदनशीलता इसी के अनुरूप सहज समागम से विकसित होती है, सहज सहवास और समागम से। महिला गर्भवती हुई। गर्भ की पहली और दूसरी तिमाही तक सब

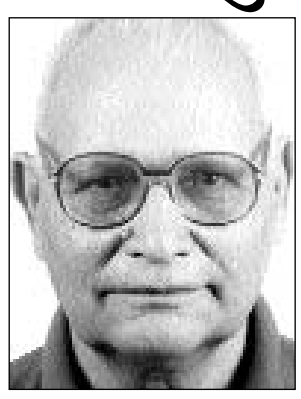

सामान्य चला। तीसरी तिमाही में महिला को सर दर्द रहने लगा। पेट के ऊपरी भाग में तेज दर्द भी। दिखाया। रक्तचाप बढ़ा हुआ था। मूत्र परीक्षण पर प्रोटीन्यूरिया पाया गया। टखने, पानी जमा होने से फूल गये थे। इसे प्री-एक्लेम्पसिया कहते हैं। यह 10 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं में होता है। इसमें महिला का प्रतिरक्षा संस्थान गर्भस्थ शिशु के जीन्स के प्रति सर्वथा संवेदनशील नहीं हो पाया है। फलस्वरूप, मां का रक्षा संस्थान शिशु के विकास में बाधा डालता है, मस्तिष्क विकास को प्रभावित करता है, समय पूर्व प्रसव को प्रेरित करता है। उधर शिशु के विषम जीन तत्वों की प्रतिक्रिया में मां की रक्तवाहनियां क्षतिग्रस्त होती हैं, जिससे उसके गुर्दे और लिवर क्षतिग्रस्त होते हैं। अधिकांश महिलाओं में प्री-एक्लेम्पसिया के रक्तचाप पर काबू कर सफल प्रसव संभव होता है। लेकिन कुछ में मां का रक्षा संस्थान बेकाबू और उग्र हो जाता है। लिवर की गंभीर क्षति से घातक स्थिति बन जाती है या प्री-एक्लेम्पसिया पूर्ण एक्लेम्पसिया का रूप ले लेता है, जिसमें घातक तांण आते है। और इन सब का प्रमुख कारण होता है मां का असहिष्णु रक्षा संस्थान।

अनुसंधान से उजागर हुआ है कि वीर्य में 93 ऐसे तत्व चिन्हित हुए हैं जो मां के रक्षा संस्थान को पितृ जीन्स के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। योनि से अवशोषित हो कर ये तत्व इम्यून मोड्यूलेशन का कार्य करते हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। यह पाया गया है कि एक ही पुरुष से दीर्घ कालिक समागम करने वाली महिलाओं में प्री-एक्लेम्पसिया बहुत कम में होता हैं। यह भी पाया गया कि नियमित निरोध (कंडोम) युक्त समागम करने वाली महिलाओं में यह अधिक होता है। अनुसंधान से पाया गया है कि बच्चे के विषम जीन्स के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में बिना कंडोम के सामान्य समागम की महत्वपूर्ण भूमिका है। जैविक प्रयोग पर इसकी पुष्टि हुई है। जिन महिलाओं में बार बार स्वतः गर्भपात या प्री-एक्लेम्पसिया होता है उन्हे 'टी जी एफ-बीटा' नामक वीर्य में चिन्हित इम्यून मोड्यूलेटर फेक्टर देने से लाभ होता है। जिन पुरुषों के वीर्य में इस फेक्टर की कमी होती है उनसे गर्भ धारण करने वाली महिलाओं में गर्भ क्षरण या प्री-एक्लेम्पसिया अधिक होता है।

स्त्रीत्व की चरमावस्था, चरमोत्कर्ष मातृत्व होता है। यह प्रकृति नियत है; सनातन, सार्वभौम, शाश्वत। मातृत्व में ही स्त्री की मुक्ति है। और बिना स्व को त्यागे मुक्ति नहीं मिलती। आज जनसंख्या नियंत्रण के लिये चल रहे व्यापक मातृत्व से मुक्ति अभियान ने असहज स्थिति उत्पन्न कर दी है। प्रकृति नियत मातृत्व में मुक्ति और समाज नियत मातृत्व से मुक्ति के बीच समन्वय ही आज की स्त्री का जीवन संकट है, त्रासदी भी।

– डॉ. श्रीगोपाल काबरा
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

जर्जर भवन में पढ़ने को मजबूर बच्चे, कभी भी हो सकती है बड़ी अनहोनी

क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन एवं बाहर बेठे शिक्षक एवं अध्ययनरत विद्यार्थी।

चाकसू, (निसं)। सरकारी बजट में भी शिक्षा के नाम पर काफी खर्च करने की बात कही जाती है लेकिन इन सबके बावजूद राजस्थान में शिक्षा का स्तर सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। जयपुर जिले कि चाकसू उपखंड के ग्राम बड़ली का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन जर्जर हालत में है, जिसके कारण वहां के बच्चे भय के माहौल में पढ़ ने को मजबूर हैं लेकिन प्रशासन को इसकी परवाह नहीं है।

ये स्कूल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। जर्जर हो चुके स्कूल की बिल्डिंग में कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। विद्यालय भवन की हालत को देखकर प्रधानाचार्य को भी सर्दी के मौसम में भी बच्चों को खुले में बैठाकर पढ़ाने के निर्देश अध्यापकों को देना पड़ रहा है। विद्यालय के 178 बच्चे किस तरह पढ ते होंगे, इसका अंदाज इस भवन की हालत देखकर लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी छत और फर्श की दीवारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बच्चे जब इस क्षतिग्रस्त भवन के कमरों में बैठकर अध्ययन करते हैं तो घर में बैठे उनके माता-पिता को उनकी चिंता रहती है।

विद्यालय पीटीआई रामजीवन ने बताया कि शिक्षा के मंदिर की हालत बेहद खराब हो गई है कक्षा कक्षों में इस हालत में शिक्षण कार्य करवाना संभव नहीं है इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से मजबूरन बच्चों को खुले में बिठाकर पढाया जा रहा है।

शिकायत करने पर भी प्रशासन कर रहा नजरअंदाज : लगभग 60 - 70 साल पुरानी यह बिल्डिंग आज अपना वजूद खो रही है। इस बारे में जब स्कूल के प्रधानाचार्य रामकिशोर बैरवा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसकी लिखित शिकायत कई बार ब्लॉक शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में दी जा चुकी है। लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लिखित शिकायत में बिल्डिंग को ध्वस्त करने की मांग की गई है लेकिन अब तक बिल्डिंग इसी जर्जर हालात में खड़ी है। वहीं सीबीईओ हनुमान सहाय मीणा ने बताया कि जर्जर स्कूल के भवन के बारे में जानकारी मिली है। फिलहाल उसकी जांच के लिए बीओ को निर्देशित किया है एवं रिपोर्ट पर भवन की हालत को देखते हुए मरम्मत या नए भवन के निर्माण की मांग का प्रस्ताव बनाकर स्वीकृति के लिए विभाग को भेजा जाएगा।

विद्यापीठ का देश में 39वां एवं राजस्थान में द्वितीय स्थान

उदयपुर,(कासं)। द इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क. आईआईआरएफ की ओर से 2021 में देश के सरकारी व पब्लिक विश्वविद्यालयों की इम्पैक्ट रैंकिंग में जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि को देश में 39वां स्थान राजस्थान में द्वितीय व उदयपुर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आईआईआरएफ की ओर से जारी इस वर्ष की इम्पैक्ट रैंकिंग में 1000० से अधिक संस्थानों को विभिन्न श्रेणियों में रैंक दिया गया। कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि संस्थापक जनुभाई द्वारा 1937 में स्थापित इस संस्था ने कई नये कीर्तिमान स्थापित किया है। हम सभी का सपना है कि इस संस्था को विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान दिलाने की है जिसके लिए सभी कार्यकर्ता इस ओर अग्रसर है। वंचित व आदिवासी वर्ग को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए स्थापित इस संस्था ने वंचित वर्ग को सुलभ चिकित्सा सुविधा मिले इस ओर भी अपने प्रयास तेज कर दिए है और अतिशीघ्र डबोक परिसर में 13 करोड़ की लागत से बने 120 बेड वाले हॉस्पिटल का आगामी दिनों में शुभारंभ करने जा रही है जिससे डबोक क्षेत्र के आसपास के आमजन को इसका लाभ मिलेगा। इसमें केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिलेगा। यूनी रेंक द्वारा कराये गये सर्वे में भी विद्यापीठ ने प्रदेश में सातवाँ व उदयपुर में पहला स्थान प्राप्त किया है। संस्था को नेक ने भी ए ग्रेड से नवाजा है। यह सब समर्पित व निष्ठावान कार्यकर्ताओं की ही बदौलत हो पाया है। रजिस्ट्रार डॉण् हेमशंकर दाधीच ने कहा कि विद्यापीठ की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान के श्रमजीवी और वंचित वर्ग को समुचित शिक्षा प्रदान करना है। कार्य के नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रेश कुमार छतलानी ने बताया कि उक्त रैंकिंग मुख्यतः तीन विशेष मापदंडों पर आधारित है जिसमें विवि के कार्यों का समाज पर प्रभावए विभिन्न हितधारकों के कल्याण तथा उच्च शिक्षा के पैमाने पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास के 17 वें लक्ष्य पर उतरना शामिल है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 2 दिसम्बर, 2021

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, स्वाती नक्षत्र सायं 4:27 तक, स्वाती नक्षत्र सायं 4:59 तक, गर करण दिन 10:01 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–तुला, मंगल–तुला, बुध–वृश्चिक, गुरू–कुम्भ, शुक्र–धनु, शनि–मकर, राहु–वृष, केतु–वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, चर 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। मानसिक तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बन सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
धार्मिक कार्य पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए भागदौड़ रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 16 संख्याः 235 प्रभात जालोर, गुरुवार 2 दिसम्बर, 2021 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

नवम्बर की एक सुबह 20,000 से ज्यादा वैस्टर्न मोनार्क तितलियां यूकलिप्टस की एक शाखा पर बैठी हुई थीं, ऐसा लग रहा था किसी ने वृक्ष को नारंगी रंग की लेस से सजा दिया है। हर साल इस प्रजाति की तितलियों की 30 प्रतिशत आबादी कैलिफोर्निया के पिस्मो बीच पर देखी जाती है। ये तितलियां मीलों लम्बा सफर तय करके यहां सर्दियाँ बिताने आती हैं। मात्र एक साल पहले ये खूबसूरत तितलियां मानो गायब ही हो गई थीं। गत वर्ष पिस्मो बीच पर दो सौ से कम तितलियां ही आईं, जो अब तक की सबसे कम संख्या है। समूचे कैलिफोर्निया तट पर 2000 से कम तितलियां गिनी गईं। लेकिन इस वर्ष वार्षिक गणना शुरु होने से पहले ऐसा लग रहा है कि, कैलिफोर्निया के तट पर इनकी संख्या में भारी वृद्धि देखाई देगी। तितलियों की संख्या हालांकि बढ़ी है, पर शोधकर्ताओं का मत है कि संख्या बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि, यह प्रजाति सुरक्षित है, अभी भी इनकी आबादी सामान्य से कम है। ज़रसीज़ सोसायटी एक संठन है जो परागणकर्ता कीटों और अन्य कीटों के संरक्षण के लिए काम करता है, इसकी कंज़र्वेशन जीववैज्ञानिक एमा पैल्टन ने कहा कि "एक समय था जब कैलिफोर्निया के तट पर 40 लाख से एक करोड़ तक तितलियाँ आती थीं। नब्बे के दशक तक इनकी आबादी घटत-घटते मात्र दस लाख रह गई और आगामी दशकों में तो आबादी मात्र 2 लाख रह गई। सन् 2017 की वार्षिक गणना में तो मात्र 30,000 तितलियाँ ही आईं। पैल्टन ने कहा कि मोनार्क जुझारु हैं और अनुकूलन करने में सक्षम हैं पर उनके सामने लगातार चुनौतियाँ आ रही हैं। इस वर्ष थोड़ी ही सही, पर आबादी बढ़ी है इसमें अच्छी बात यह है कि अभी देर नहीं हुई है। इन तितलियों को तेज गर्मी, जंगल की आग और सूखे के साथ-साथ कैलिफोर्निया में तेज बर्फीले तूफानों का भी सामना करना पड़ा है। कुछ तूफान तो इतने तेज थे कि पेड़ उखड़ गए और तितलियां जमीन पर गिर गईं। लंबे समय तक इस प्रजाति का अध्ययन करने वाले, वॉशिंगटन स्टेट युनिवर्सिटी के डेविड जेम्स का कहना है कि स्थानीय लोग, मिल्कवीड जैसे पौधे, जो इन तितलियों को प्रिय हैं, उगाकर और कीटनाशकों का इस्तेमाल कम करके इन तितलियों की मदद कर सकते हैं।

दिल्ली में नहीं मिली इजाज़त अब जयपुर में होगी कांग्रेस की रैली

3 दिसंबर को स्थान तय करने जयपुर आएंगे वेणुगोपाल और माकन

जयपुर, 1 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस की महंगाई हटाओ रैली का आयोजन 12 दिसंबर को दिल्ली की बजाय जयपुर में होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से दी गई रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल की ओर से कांग्रेस को रैली की अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने दिल्ली में होने वाली महारैली को राजस्थान की राजधानी जयपुर में शिफ्ट कर दिया है। रैली की तैयारियों का जायजा लेने कांग्रेस संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी अजय माकन 3 दिसंबर को जयपुर आएंगे। उसी दिन तय होगा कि जयपुर में यह रैली कहां होगी, क्योंकि जयपुर में एक लाख से ज्यादा की भीड़ इकट्ठा होने के लिए फिलहाल नज़र में कोई स्थान नहीं है। ऐसे में विद्याधर नगर या किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है।

- **उसी दिन तय होगा कि, जयपुर में यह रैली कहां होगी। क्योंकि जयपुर में एक लाख से ज्यादा की भीड़ इकट्ठा होने के लिए कोई स्थान नहीं है।**
- **ऐसे में विद्याधर नगर या किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है।**

रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका और सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। महंगाई हटाओ रैली में देश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर पहुंचेंगे। अत: रैली करवाने के लिए भी कांग्रेस पार्टी को जयपुर में बड़ी स्थान की आवश्यकता होगी। रैली के लिए जयपुर में प्रस्तावित जगहों में जयपुर के विद्याधर नगर, मानसरोवर या फिर चौमू हो सकते हैं। हालांकि मानसरोवर में आवासन मंडल की ओर से पार्क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अब प्रस्तावित स्थानों में विद्याधर नगर या फिर कोई ग्रामीण क्षेत्र हो सकता है। अभी जगह को लेकर अंतिम फैसला नहीं हुआ है, लेकिन रैली में शामिल होने के लिए देशभर से कांग्रेस के करीब 1 लाख कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर आ सकते हैं। महारैली को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। स्थान तलाश करने का काम आज से ही शुरू हो गया है और 3

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर के ज्वैलर ग्रुप के 50 ठिकानों पर इन्कम टैक्स के छापे

पांच सौ करोड़ रुपये की अघोषित आय के सबूत मिले?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। आयकर विभाग ने जूलरी और रंगीन रत्नों का निर्माण एवं निर्यात करने वाले जयपुर के एक ग्रुप पर हफ्ते भर तक छापेमारी कर 500 करोड़ रुपयों से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है। ग्रुप के जयपुर एवं आसपास स्थित 50 से अधिक परिसरों में जांच पड़ताल की गई।

ग्रुप के स्वामियों ने 72 करोड़ रुपयों की अघोषित आय स्वीकार की है। इस जब्ती में 9 करोड़ के आभूषण और 4 करोड़ की नकदी शामिल है। यह ग्रुप सैमी प्रैशस और प्रैशस रत्नों की रफ अफ्रीकी देशों से आयात कर उन्हें जयपुर में तैयार करवाता रहा है। कट व पॉलिश्ड स्टोन्स से अर्जित आय को छिपाया गया और इसके कुछ हिस्से को खाता बहियों में दर्ज किए बिना नकद बेचकर बेहिसाब आय अर्जित की गई।

इस बेहिसाब आय का उपयोग एक फायनैंस ब्रोकर के जरिए नकद ऋण उपलब्ध करवाकर ब्याज कमाने में किया गया। जांच टीम ने नकद ऋणों और अर्जित ब्याज के डिजीटल और दस्तावेजी साक्ष्य बरामद किए। ब्रोकर ने इस तरह के लेन देन होना स्वीकार किया है।

बेहिसाब क्रय एवं विक्रय स्टॉक में अन्तर, अवास्तविक असुरक्षित ऋण और शेयर एप्लीकेशन मनी संबंधी आपत्तिजनक साक्ष्य भी पाए गए हैं।

इसके अलावा ग्रुप की स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (एस.ई.जैड) में संचालित इकाईयों के भी दस्तावेज मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि ग्रुप इन इकाइयों से ऊंचे लाभ की घोषणा कर अनुचित कार्यों में लगा था, क्योंकि इन इकाइयों से प्राप्त आय, आयकर अधिनियम के अन्तर्गत कर मुक्त है।

- **यह ग्रुप अफ्रीकी देशों से सैमी प्रैशस व प्रैशस माल मंगाता था, तथा जयपुर में "प्रोसैसिंग" कराकर विदेश को निर्यात किया करता था।**
- **आयकर विभाग का मानना है कि, प्रोसैस्ड माल, बिना बिल के, नकद रकम लेकर बेचा जाता था। इस अघोषित बिक्री से हुई आय को यह ग्रुप ब्याज पर लगा देता था, नम्बर दो के मार्केट में।**
- **ग्रुप ने 72 करोड़ रुपये की अघोषित आय होने की बात तो कबूल कर ली है, तथा छापे के दौरान आयकर विभाग को नौ करोड़ रुपये की ज्वैलरी व 4 करोड़ रुपये नकद भी मिला।**

मुआवज़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर वर्ष भर चले विरोध प्रदर्शनों के दौरान मरे किसानों के परिवारों को किसी प्रकार के मुआवजे के भुगतान से बुधवार को पल्ला झाड़ लिया। भुगतान को लेकर उनका कहना था कि केन्द्र सरकार के पास उक्त किसानों की मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इन तीनों कानूनों को गत सोमवार ही निरस्त किया गया था।

- **केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर ने संसद में कहा कि, किसानों के धरने के दौरान मरने वाले आंदोलनकारियों की न तो कोई अधिकृत सूची है, और न ही मृत्यु के कारणों का विवरण, अतः मुआवज़ा किस आधार पर दिया जा सकता है।**

तोमर, कांग्रेस के मनीष तिवारी द्वारा किसानों की मौत को लेकर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। तिवारी ने यह भी पूछा कि क्या सरकार उनके परिजनों को मुआवजा राशि देने की मंशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने सैन्ट्रल विस्टा प्रोजैक्ट का काम जारी रखने के पक्ष में तर्क दिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। केन्द्र ने सैन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण को जारी रखने को बुधवार को उचित ठहराया तथा एक शपथ-पत्र में सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि इसका निर्माण इसलिये नहीं रोका गया था क्योंकि यह राष्ट्रीय महत्व का प्रोजेक्ट है।

दिल्ली के प्रदूषण पर गुरुवार को होने वाली सुनवाई से एक दिन पहले यह शपथ-पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है, क्योंकि मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली बैंच ने सोमवार को केन्द्र से कहा था कि वह इस बिन्दु पर अपना स्पष्टीकरण दे कि सैन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का काम पूरे जोर-शोर से क्यों और कैसे चल रहा है, जबकि इस अदालत ने अपने 24 नवम्बर के आदेश में राष्ट्रीय राजधानी में सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर फिर से रोक लगा दी थी। इस बैंच में दो अन्य जज हैं- न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड तथा सूर्यकान्त। बैंच दिल्ली के 17 वर्षीय छात्र आदित्य दुबे द्वारा दायर की गई उस याचिका की सुनवाई कर रही है, जो दिल्ली तथा उससे जुड़े क्षेत्रों में हो रहे वायु-प्रदूषण से सम्बन्धित हैं।

केन्द्र ने दावा किया है कि सैन्ट्रल विस्टा के निर्माण कार्य के कारण राष्ट्रीय राजधानी में कोई वायु-प्रदूषण नहीं हो रहा है क्योंकि प्रौजेक्ट 'कन्स्ट्रक्शन एंड डिमॉलिशन वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स' की अनुपालना कर रहा है। शपथ-पत्र में कहा गया है कि सैन्ट्रल विस्टा रिडवलपमेंट, जो "राष्ट्रीय महत्व" का प्रोजेक्ट है, के अलावा, दिल्ली में केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चलाई जा रही निर्माण-सम्बन्धी सभी गतिविधियाँ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा, वायु-प्रदूषण पर काबू जाने के उद्देश्य से, दिये गये निर्देशों की अनुपालना में रोक दी गई हैं।

नैशनल कैपिटल रीजन (एन.सी.आर.) में बदतर होती जा रही वायु की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने 24 नवम्बर को एन.सी.आर. में निर्माण कार्यों पर दोबारा रोक लगा दी थी। केन्द्र सरकार का सन्दर्भित जवाब उस समय आया है, जब शीर्ष अदालत ने 29 नवम्बर को केन्द्र तथा राज्य सरकारों से कहा था कि वे, प्रदूषण पर काबू पाने के लिये दिये गये निर्देशों की अनुपालना से सम्बन्धित रिपोर्ट पेश करें। दिल्ली के छात्र आदित्य दुबे की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने जोर देकर कहा कि जब निर्माण सम्बन्धी सारे काम रोक दिये गये हैं, उस समय भी, राष्ट्रीय राजधानी के बीचों बीच सैन्ट्रल विस्टा रिडवलपमेंट बेरोक-टोक जारी है।

लेकिन, केन्द्र ने बुधवार को पेश किये गये शपथ-पत्र के जरिये, इसका जवाब देते हुये कहा है कि सरकार सैन्ट्रल विस्टा रिडवलपमेंट के लिये, प्रदूषण ने होने देने वाले सारे उपाय काम में ले रही है, जैसे-ऐन्टी-स्मॉग गन्स, मिस्ट-स्प्रे सिस्टम, मैग्नीशियम क्लोराइड जैसे डस्ट सप्रैसेन्ट्स का उपयोग, निर्माण-सामग्री इधर-उधर लाने-ले जाने के लिये कन्वेयर बैल्ट्स का उपयोग तथा पूरी निर्माण-सामग्री को नमीयुक्त स्थिति में रखना आदि।

- **सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी प्रोजैक्ट जारी रखने का कारण यह बताया कि, यह प्रोजैक्ट राष्ट्रीय महत्व का काम है तथा प्रोजैक्ट को जारी रखते समय वे सभी "प्रिकॉशन्स" की सख्ती से पालना की गयी, तथा सभी हिदायतें बरती गयीं, जो प्रदूषण पर नियंत्रण रखने के लिये लागू की गयी हैं।**

शपथ पत्र में कहा गया है कि अगर बैंच चाहे तो केन्द्र सरकार सैन्ट्रल विस्टा स्थल पर काम में लिये जा रहे प्रदूषण नियंत्रण उपायों का अतिरिक्त विवरण प्रस्तुत करने के लिये भी तैयार है।

कंगना रनौत की टिप्पणियाँ सैंसर हों?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। एक वकील ने सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके, अदालत से अनुरोध किया है कि वह बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रानौत द्वारा भविष्य में की जाने वाली सभी सोशल मीडिया पोस्टों को सैंसर किये जाने के निर्देश जारी करे ताकि भारत में कानून-व्यवस्था सम्बंधी समस्याएं रोकी जा सकें।

एडवोकेट सरदार चरणजीत सिंह चन्दरपाल ने कंगना के इन्स्टाग्राम की पोस्ट का हवाला दिया है कि "सिख किसान जो खालिस्तानी आतंकवादी है, उन्होंने 1984 के सिखों के नरसंहार को सही ठहराया है इस टिप्पणी को एक तरह से यह दावा किया गया है कि सिखों को अवांछित मच्छरों की तरह निम्न जाति के रुप माना जाना चाहिए तथा उन्हें इंदिरा गांधी जैसे गुरु की जरुरत है।"

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान विभिन्न धर्मों में नस्ल के आधार पर भेदभाव और नफरत पैदा करते हैं। इससे सोशल मीडिया पर भड़काने वाली, उत्तेजना पूर्ण बहस छिड़ सकती है, यहां तक कि दंगे भी हो सकते हैं। याचिका कहती है कि, ये टिप्पणियां ना केवल घ्रणा फैलाने वाली एवं ईशनिंदा के बराबर है बल्कि इनका इरादा साम्प्रदायिक फसाद करवाने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने का है, ये बेहद अपमानजनक है तथा सिखों को राष्ट्रविरोधी रुप में दर्शाती है। यह निर्दोष सिखों की हत्या को उचित ठहराती हैं। ये टिप्पणियां हमारे देश की एकता के एकदम खिलाफ हैं और अभिनेत्रों को इसके लिए कानून के अनुसार गंभीर दंड दिया जाना चाहिए। इन्हें दरकिार नहीं किया जा सकता है।

- **सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि, कंगना रनौत की सोशल मीडिया पर डाली गयी टिप्पणियाँ, बहुत आपत्तिजनक, भड़काऊ होती हैं, अतः उन पर सैंसर लागू होना चाहिए, नहीं तो, देश में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।**

क्या ऑमक्रॉन से प्रेरित होकर यात्राओं/फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगाना उचित है?

यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने से कोई खास लाभ नहीं है, बल्कि कई देश इस वायरस के बारे में सही जानकारी शेयर करने से कतरायेंगे, और इस वायरस के बारे में रिसर्च करने में अनावश्यक विलम्ब होगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। ऑमक्रॉन का प्रकोप और फैलाव एक उम्मीद के मुताबित प्रतिक्रिया सामने लाया है क्योंकि विश्वभर के देशों में यात्रा पर पूर्ण प्रतिबन्ध लागू करने की होड़ मची हुई है। वास्तव में जबसे वायरस के नए स्ट्रेन का पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका से पता चला, विश्व के दर्जनों देशों ने इसकी प्रतिक्रिया यात्रा प्रतिबंधों के रूप में दी है, जिनमें अधिकांशत: दक्षिण अफ्रीका देशों को निशाना बनाया गया है।

लेकिन कोविड-19 वायरस के नए स्ट्रेन के प्रति क्या ऐसी अविचारित प्रतिक्रिया न्यायोचित है, यह वह प्रश्न है जिस पर देशों की सरकारों को जरूर विचार करना चाहिए क्योंकि नए स्ट्रेन के अभी शुरूआती दिन ही हैं और इसको लेकर प्रमाणिक रूप से कुछ भी सिद्ध नहीं किया गया है कि नया वायरस आखिरकार लोगों को किस तरीके से प्रभावित करेगा।

इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने यह चेतावनी देने में तत्परता बरती कि पूर्ण यात्रा प्रतिबंध ऑमक्रॉन के प्रसार को नहीं रोक सकेंगे। ए.एफ.पी. की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य इकाई ने यदि कुछ चेतावनी दी है तो वह यह कि पूर्ण यात्रा प्रतिबन्धों से कुछ अच्छा होने के बजाए नुकसान का जोखिम अधिक है।

डब्ल्यू.एच.ओ. ने एक यात्रा परामर्श में चेतावनी दी कि प्रतिबंधों की वजह से देश इस नए वायरस के डेटा शेयर करने से अन्तत: दूर रहेंगे।

लेकिन उसने यह सलाह भी दी कि 60 की उम्र से अधिक के लोगों सहित वैक्सीन नहीं लगवा चुके लोग, जिन्हें कोविड-19 होने का जोखिम है, को वायरस के जन संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा से परहेज करना चाहिए।

डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमुख टेड्रो एडनॉम धेब्रेयसस ने कहा कि उन देशों की बात भी जायज है जो एक ऐसे वेरियन्ट के प्रति अपने नागरिकों को सुरक्षित रखना चाहते है, जिसके बारे में हम अब तक पूर्ण रूप से समझ नहीं पाए हैं लेकिन उन्होंने देशों से जोखिम कम करने के तर्क संगत एवं यथानुपात उपाय करने का अनुरोध करते हुए मांग की कि वैश्विक प्रतिक्रिया "शांत, समन्वित और सुसंगत हो।" यात्रा के विस्तृत प्रतिबंधों की निरर्थकता तब रेखांकित हुई जब नीदरलैण्ड्स की सरकार ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने 25 नवम्बर को ऑमक्रॉन के पहले केस की पुष्टि की थी, लेकिन उनके देश में यह वेरियन्ट उससे पहले मौजूद था।

डच हैल्थ अथॉरिटीज़ ने मंगलवार को कहा कि इस वायरस को साथ लायी दो फ्लाइट्स के आने से पहले नीदरलैण्ड्स में ऑमक्रॉन उससे पहले से था। नैशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हैल्थ (आर.आई.वी.एम.) ने कहा कि 19 और 23 नवम्बर को लिए गए दो टैस्ट सैम्पल्स में हमें ऑमक्रॉन करोना वायरस वेरिएन्ट का पता चला। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इन लोगों ने दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की थी?

इधर स्वदेश में बहस इस बात को लेकर चल रही है कि ऑमक्रॉन वेरिएन्ट के प्रति कोविशील्ड कितनी कारगर है। सीरम इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डिया के सी.ई.ओ. अदार पूनावाला के अनुसार ऑमक्रॉन के विरुद्ध कोविशील्ड की प्रभावोत्पादकता का पता अगले दो-तीन हफ्तों में चल जाएगा। पूनावाला ने एन.डी.टी.वी. को बताया कि फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि क्या ऑमक्रॉन अधिक खतरनाक है अथवा नहीं। फिर भी ऑमक्रॉन का ख्याल रखते हुए एक बूस्टर डोज़ संभव है।

पूनावाला की टिप्पणी "द लांसैट" के एक अध्ययन के बाद सामने आई, जिसमें कहा गया था कि कोविशील्ड डेल्टा वेरिएन्ट के दौरान भी वायरस का मुकाबला करने में कोविशील्ड काफी कारगर रही थी और इसने मरने व अस्पताल में भीर्ती होने का जोखिम महत्वपूर्ण रूप से कम किया था। उन्होंने कहा कि ऑमक्रॉन के प्रति कोविशील्ड के प्रभावी होने को लेकर अध्ययन भी चल रहे हैं तथा हमें इसके लिए कुछ हफ्तों की प्रतीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिक अनुसंधान में लगे हैं और उनके निष्कर्षों के आधार पर हम एक ऐसी नई वैक्सीन बना सकते हैं, जिसे आगामी छह महीनों में बूस्टर डोज़ के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

तथापि, ऑमक्रॉन वैरिएन्ट के बारे में अभी काफी कुछ ज्ञात नहीं है, इसलिए वह निर्धारित करने में कई सप्ताह लग सकते है कि इससे वैक्सीन से किस हद तक बचा जा सकता है, फिर भी इसने यह जता दिया है कि कोविड-19 के विरुद्ध वैश्विक अभी समाप्त नहीं हुई है।

- **यह सच नहीं है कि, दक्षिण अफ्रीका से आये लोगों के माध्यम से ही यह वायरस फैलता है, क्योंकि उदाहरण के लिये, हालैण्ड में ऑमक्रॉन से संक्रमित मरीज मौजूद थे, द. अफ्रीका से पहली फ्लाइट आने के पहले से।**

मीडिया पर लगायी गई पाबंदियां!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उच्च सदन के सभापति को पत्र में इस बात पर "गहरा दुख" व्यक्त किया है कि लगातार पाँचवे सत्र में संसद की कार्यवाही की कवरेज के मामले में मीडिया का मुँह अप्रत्यक्ष रुप से बंद कर रखा है। खड़गे द्वारा मंगलवार को राज्यसभा के सभापति एम. वैंकेय्या नायडू के सौंपे गये इस पत्र में कहा गया है, "मीडिया प्रतिष्ठानों के केवल मुट्ठी-भर प्रतिनिधियों को ही प्रैस-गैलरी में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है, सैन्ट्रल हॉल में वरिष्ठ पत्रकारों का प्रवेश पूरी तरह रोक दिया गया है तथा पत्रकारों को संसद भवन के अहाते में सांसदों के साथ बात करने की अनुमति नहीं है।"

उन्होंने कहा कि अनेक नये ऐसे प्रतिबंध एवं पाबंदियाँ मनमाने तरीके से लगा दी गई हैं, जिनके चलते मीडिया लोकतंत्र के इस मंदिर से पूरी तरह बहिष्कृत हो गया है।

उन्होंने कहा कि संसद देश की राजनैतिक गतिविधियों के तंत्र का केन्द्र हुआ करती है तथा मीडिया ने सदैव ही अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया है कि सदन के पटल पर उठाये जा रहे ज्वलंत सार्वजनिक मुद्दों के बारे में आम जनता को पूरी जानकारी मिलती रहे। खड़गे ने कहा कि बहुत से वरिष्ठ पत्रकार तथा प्रैस के प्रतिष्ठान, वरिष्ठ सांसदों तथा लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं। खड़गे ने सभापति से अनुरोध किया कि वे इस समस्या का समाधान करें, जिससे मीडिया पहले की तरह बिना किन्हीं पाबंदियों के अपने कर्तव्य का निर्वहन करता रहे।

- **राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर, मीडिया पर संसद की कार्यवाही रिपोर्ट करने में बाधा बन रही पाबन्दियों को हटाने की पुरजोर मांग की।**

सहायक उपनिरीक्षक 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चालान पेश करने तथा दर्ज मामले से लोगों के नाम हटाने की एवज में मांगी थी रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। आरबीएम पुलिस चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को 20 हजार की रिश्वत लेते बुधवार को भृष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्यवाही परिवादी रामेश्वर जाटव व उसकी बहिन इन्दू की शिकायत पर एसीबी के एएसपी महेश मीणा के नेतृत्व में स्पेशल यूनिट इंचार्ज श्रवण कुमार विश्नोई की टीम ने की। एसीबी टीम द्वारा रामवीर एएसआई के घर एवं अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली गई। पता चला है कि ब्यूरो की कार्यवाही की भनक लगते ही चौकी प्रभारी पुलिस चौकी के एक कमरे में छुप गया और अंदर से कुंडी बन्द कर ली लेकिन ब्यूरो की टीम ने कमरे के दरवाजे को तोड़कर चौकी प्रभारी को कमरे से बाहर निकाला।

आरोपी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह

- एसीबी की भरतपुर टीम ने कार्रवाई की

ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि पुलिस थाना सेवर के धर्मपुरा गाव निवासी परिवादी रामेश्वर जाटव व उसकी बहन इंदु ने व्यूरो में इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह उनके द्वारा पुलिस थाना मथुरागेट में दर्ज कराये गए एक प्रकरण में विरोधी पक्ष के खिलाफ चालान पेश करने तथा परिवादी पक्ष के खिलाफ विरोधी पक्ष की तरफ से दर्ज कराए गए मामले में परिवादी पक्ष के लोगों के नाम निकाल देने की एवज में बतौर रिश्वत 20 हजार रुपयों की मांग की जा रही है। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया कि 30 नवम्बर को शिकायत के सत्यापन के बाद आज आरोपी चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को रँगे हाथों गिरफ्तार कर उससे रिश्वत की राशि को बरामद कर लिया गया।

एसीबी टीम कार्यवाही में एएसपी महेश मीणा के अलावा टीएलओ श्रवण कुमार निरीक्षक व रीतराम सिंह एचसी, हरभान सिंह रीडर, विनोद सिंह, सुशील सिंह, रीतेशकुमार, परसराम, दिलीप, सुरेश, देवेन्द्र सिंह सभी कांस्टेबिल, कल्पना कनिष्ठ सहायक मौजूद रहे।

ट्रक-ट्रेलर की भिड़ंत में दोनों ड्राइवर जिंदा जले

बीकानेर-सूरतगढ़ हाईवे पर तेज धमाके के साथ वाहनों में लगी आग

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के राजियासर में नेशनल हाईवे-62 पर बीकानेर-सूरतगढ़ के बीचट्रक-ट्रेलर में भिड़ंत के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। दोनों वाहनों के ड्राइवर को बचने का मौका नहीं मिला और जिंदा जल गए। हादसे के बाद तेज धमाका हुआ। एक वाहन से क्लीनर कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई। बुधवार सुबह 5 बजे श्रीगंगानगर में नेशनल हाईवे-62 पर बीकानेर-सूरतगढ़ के बीच यह हादसा हुआ। राजियासर पुलिस जानकारी जुटा रही है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

हादसे के समय राजियासर में एनएच के आसपास रहने वाले लोगों की नींद तेज धमाके की आवाज से खुली। लोगों ने देखा तो ट्रक और ट्रेलर भिड़े हुए थे। आग की लपटें उठ रही थीं। लोगों ने वाहन से कुछ दूरी पर एक क्लीनर को देखा। उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही सूरतगढ़ थर्मल पावर स्टेशन और सूरतगढ़ नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। इससे पहले आसपास के लोगों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मौके पर पहुंची दोनों फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह करीब 7 बजे आग पर काबू पाया। जहां हादसा हुआ है, वहां बाजार है। आसपास कई दुकानें हैं। बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने सबसे पहले पानी डालकर डीजल टैंक को बचाया। अगर यह ब्लास्ट करता तो दुकानों को नुकसान होता। ट्रक बीकानेर की ओर से आ रहा था। इसमें गिट्टी (ग्रिट) भरी हुई थी। ट्रेलर खाली था। यह सूरतगढ़ से बीकानेर की तरफ जा रहा था।

चूरू में सर्दी ने जोर पकड़ा

चूरू, (कासं)। चूरू में सर्दी जोर पकड़ने लगी है। आज सवेरे दस बजे तक काफी ठण्ड रही। इस दौरान सूर्य देवता के दर्शन ही दुर्लभ हो गए। लोग दिनभर गर्म वस्त्रों से लदे रहे। बाजार भी देर से खुले और शाम ढलने के साथ ही व्यापारी लोग अपने घरों में चले गए। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। रात्रि के समय यहां कड़ाके की ठण्ड रही। रात को सफर करने वाले गर्म कपड़ों से लदकर ही घर से रवाना हुए।

सीमा सुरक्षा बल हुई 57 साल की

- 122 चौकियों से देश की निगरानी करता है सीमा सुरक्षा बल

जैसलमेर, (नि.सं.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बुधवार को 57 साल का हो गया। सीमा सुरक्षा बल में जोश और जुनून भरपूर है । 1 दिसंबर को अपना 57 वां स्थापना दिवस सीमा सुरक्षा बल मना रही है । जैसलमेर से लगती राजस्थान फ्रंटियर की 471 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा पर सीमा सुरक्षा बल देश की सीमा पर 122 चौकियों की निगरानी करती है। रात और दिन भारत की सीमा को दुश्मनों की निगाहों से महफूज रखती है ।

जैसलमेर के रेतीले धोरों पर गर्मियों में तापमान 50 डिग्री से पार और सर्दियों में जीरो डिग्री से नीचे चला आता है। बावजूद इसके सीमा पर जवान मुस्तैदी से डटे रहते हैं। भारत-पाकिस्तान की सबसे लंबी इंटरनेशनल बॉर्डर जैसलमेर से लगता है। इस बॉर्डर की लंबाई 471 किलोमीटर के करीब है । पहला बॉर्डर पोस्ट फतूवाला और आखिरी बॉर्डर पोस्ट रायथनवाला है । 1965 में स्थापना के बाद 1971 में युद्ध के के समय सेना के साथ सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भी कंधे से कंधा मिलाते हुए दुश्मनों के दांत खट्टे किए।

जैसलमेर की रेतीली धरती पर सीमा सुरक्षा बल भीषण गर्मी में लू के थपेड़ों को भी झेलती है। सरहद पर गर्मियों में तापमान जब 50 डिग्री से भी ऊपर चला जाता है, उस दौरान भी ये जवान तेज अंधड़ में भी मजबूती के साथ सरहद पर नजर आते हैं। सर्दियों में जब इस रेत पर शीतलहर चलती है, तब तापमान जीरो डिग्री से भी नीचे चला जाता है। ऐसी विपरीत परिस्थितियों में भी सीमा सुरक्षा बल का जवान सरहद की सुरक्षा में कोई चूक नहीं करता।

कोरोना के नये वैरिएंट ओमिक्रोन को लेकर चिकित्सा विभाग अलर्ट

टोंक, (निसं)। टोंक जिला काफी समय से कोरोना मुक्त है जो कि जिले के लिये सुखद है, लेकिन जिस तरह से कोरोना के नये वैरिएंट ने कई देशों में दस्तक देते हुए लोगों को सक्रंमित किया है, उससे फिर एक बार चिंता बढ गई है। जिला प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट मोड पर रह कर पूर्व की भांति कार्य करना प्रारंम्भ कर दिया है। सक्रंमित मिलने पर उनके इलाज को लेकर पूर्व में की गई तैयारियों को तो पुनर्व्यवस्थित किया जा रहा है, साथ ही आम जनता से कोविड-19 वैक्सीनेशन कराने की अपील की है।

- स्कूलों में पहुंची टीम, वैक्सीनेशन और सैंपलिंग बढ़ाई
- पूर्व में की तैयारियों को व्यवस्थित किया जा रहा है

सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार यादव एवं डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महबूब खान ने बताया कि जिले में प्रतिदिन सैम्पलिंग को बढ़ाया जा रहा है, जिससे कि अगर कोई व्यक्ति कोरोना से सक्रंमित पाया जाता है तो स्वास्थय विभाग द्वारा तुरंत कार्य करते हुए उसे स्वास्थ्य लाभ दिया जा सके व स्थिति पर नियन्त्रण किया जा सकें। जिले माह नवम्बर में लगभग 10 हजार 375 सेम्पल लिये हैं। जिले में मंगलवार को 735 लोगों की सैंपलिग की गई, जिसमें आरटीपीसीआर के लगभग 500 व रेपिड एंटीजन टेस्ट के लगभग 235 सैम्पल लिये गयें। इसी प्रकार रोज औसतन रैण्डम 500 सैम्पलिंग व संस्थानों पर 200 सैम्पलिंग की जा रही है। नये वैरिएंट से आमजन को सुरक्षित रखने के लिये नई रणनीतियों का निर्माण कर कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों मे निरंतर रैडम सैंपलिग शुरू कर दी गई है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, मामला दर्ज

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह कस्बे में मोरला रोड स्थित एक मकान में विवाहिता की हुई संदिग्ध पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले अस्पताल की मोर्चरी में रखवा कर पीहर पक्ष को सूचना दी।

सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता गोपाल प्रजापत निवासी कुराड ने अपनी बेटी की हुई संदिग्ध मौत पर दामाद दिनेश प्रजापत के विरूद्ध मारपीट व प्रताड़ना का नामजद मामला दर्ज करवाते हुए अवगत करवाया कि उसकी बेटी कंचन का विवाह लाम्बाहरिसिंह निवासी दिनेश पुत्र कजोड प्रजापत के साथ सामाजित रितीरिवाज से सम्पन्न हुआ था शादी के कुछ दिनों के बाद से ही दिनेश शराब पीकर कंचन के साथ मारपीट कर प्रताड़ित करता था। 25 नवम्बर को कंचन ने एक पड़ौसी के मोबाइल से भाई जीतराम को दूरभाष पर अपनी पीड़ा बया की तथा 30 नवम्बर की रात को दूरभाष पर उसे बेटी की मौत की सूचना दी। पुलिस ने पिता की दी रिपोर्ट पर दिनेश के विरूद्ध नामजद मामला दर्ज कर मेडिकल बोर्ड से विवाहिता का पोस्टमार्टम करवा शव पिता को सुपुर्द किया।

पुलिस पहरे में निकली दलित दूल्हे की निकासी

घोड़ी पर बैठने के लिए पुलिस से मांगी थी मदद

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जयसिंहपुरा के गांव सूरजपुरा में बुधवार की शाम को एक दलित दूल्हे की निकासी पुलिस कि कड़ी सुरक्षा के बीच निकाली गई। गांव में दलित दूल्हे के घोड़ी पर बैठने को लेकर तनाव की आशंका के चलते, दूल्हे के परिवार की ओर से लगाई गुहार के बाद गांव में भारी सुरक्षा पहरा लगाया गया। पुलिस सुरक्षा में निकासी शांतिपूर्ण तरीके से निकली।

सूरजपुरा गांव में दलित दूल्हे की निकासी पुलिस सुरक्षा के बीच निकाली।

- सूरजपुरा गांव दूसरी बार छावनी में तब्दील

सूरजपुरा निवासी सुनील वर्मा ने अपने छोटे भाई संजय वर्मा की शादी शांतिपूर्वक सपन्न करवाने हेतु स्थानीय प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। वहीं यहां दलित परिवार की ओर से दूल्हे के घोडी पर बैठकर निकासी निकालने पर निकासी में रूकावट पैदा करने की आशंका जताई गई थी। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल की निगरानी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली सुमित गुप्ता के निर्देशन में वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली ईश्वर सिंह, वृत्ताधिकारी वृत्त शाहपुरा सुरेंद्र कृष्णिया केके नेतृत्व में विराटनगर, प्रागपुरा, शाहपुरा, कोटपुतली, सरुंड,भाबरू सहित अन्य पुलिस थानों से भारी पुलिस जाप्ता सूरजपुरा पहुंचा। वहीं दलित दूल्हे की निकासी निकालने को लेकर पुलिस प्रशासन ने गांव के सभी रास्ते सील कर दिए गए।

गौरतलब है कि ग्राम सूरजपुरा में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब दूल्हे की निकासी पुलिस सुरक्षा में निकाली गई। इससे पहले करीब 1 वर्ष पूर्व भी एक दलित दूल्हे के परिजनों ने शादी की बिंदोरी व निकासी में घोडी पर बैठने के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की थी। तब भी पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया था।

बघेरे ने बछड़े का शिकार किया, ग्रामीणों में भय

निवाई, (निसं)। गांव बस्सी में मंगलवार की देर रात को बघेरे ने गाय के एक बछड़े का शिकार किया जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त है।

ग्रामीणों ने गाय के बछड़े के शिकार की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी। जिसके बाद वन कार्मिक मौके पर पहुंचे। आशाराम कावर, लेखराज कसाणा, हेमराज गुर्जर ने बताया कि

- बघेरा 25 पशुओं का शिकार कर चुका है

बीती रात को गांव बस्सी में बहड रोड से जाने वाले रास्तें पर एक आवारा गाय के बछड़े का बघेरे ने शिकार कर दिया। उन्होंने बताया कि बस्सी क्षेत्र में अब तक करीब 25 पशुओं का बघेरा शिकार कर चुका है। पिछले वर्ष भी सर्दी के मौसम में बघेरे ने पालतू जानवरों का शिकार किया था। वापस बघेरे के बस्सी क्षेत्र में शिकार करने से रात में खेतों पर रखवाली करने करने वाले किसानों में भय है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के गार्ड मौके पर पहुंचे और बघेरे के पदचिन्ह देखे लेकिन वहां मौके पर सख्त मिट्टी होने से पदचिन्ह नहीं मिले।

पावटा उपखंड में नहीं है फायर बिग्रेड, आगजनी पर कैसे पाए काबू?

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा बनने के बाद भी दमकल नहीं होने से अग्निकांड के समय पावटा कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र की आबादी को परेशानी भुगतनी पड़ रही है। दमकल की व्यवस्था नहीं होने से आगजनी होने पर ग्रामीण स्वयं के स्तर पर ही आग पर काबू पाते हैं हालांकि तब तक काफी नुकसान हो जाता है।

- दूसरे स्थान से जब तक दमकल पहुंचती है तब तक सब कुछ हो जाता है स्वाहा
- क्षेत्र में आगजनी की कई घटनाएं हुई है

पावटा तहसील के अंतर्गत कई गांव जुड़े होने के बाद भी दमकल की व्यवस्था नहीं है। जिससे गांवों में आए दिन होने वाली आगजनी की घटनाओं में दमकल को बहरोड, कोटपुतली, शाहपुरा से बुलाया जाता है और जब तक दमकल घटना स्थल पहुंचती है तब तक आग अपनी कार्य कर चुकी होती है और पीड़ित लाखों का नुकसान झेल चुका होता है। कस्बे के लोगों का कहना है कि पावटा व आस पास के क्षेत्रों में आग लग जाने पर 16-25 किमी दूर कोटपुतली बहरोड या शाहपुरा से दमकल की गाडी आती हैं। क्षेत्र में एक के बाद एक आगजनी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। वही बहरोड, कोटपुतली, शाहपुरा से दूरी होने के कारण समय पर दमकल नहीं पहुंचने के कारण लाखों करोडो का नुकसान पीडितों को हो चुका है।

तहसील में 2011 के आंकडों के अनुसार 79 गांवों में 1 लाख 80 हजार 785 की आबादी है। तहसील से गांवों की अधिकतम दूरी 10-15 किलोमीटर है। आग लगने पर 16-26 किलोमीटर दूर कोटपुतली, शाहपुरा से आती है सूचना के बाद भी पावटा तक दमकल को पहुंचने में काफी समय लगता है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पूरक परीक्षा का परिणाम किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2021 की पूरक परीक्षाओं का परिणाम बुधवार सायं जारी कर दिया। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ डी पी जारोली ने बताया कि वर्ष 2021 की पूरक परीक्षाओं के लिए कुल 2285 परीक्षार्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत किए गए थे ,जिनमें से 618 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कुल 498 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए है।

सेकेंडरी परीक्षा का परिणाम 60.94 ,सीनियर सेकेंडरी परीक्षा का परिणाम 85.66 और मूकबधिर एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। यह परिणाम बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि जो परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा उपरांत उसकी स्कैन प्रति प्राप्त करना चाहते हैं कराना चाहते हैं।

सीएफसीएल को सर्वाधिक पांच श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया

कोटा, (निसं)। चम्बल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड गडेपान को हाल ही में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय सेमीनार में पांच श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कंपनी को यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी नवाचार, सर्वश्रेष्ठ उत्पादन, उत्कृष्ट सुरक्षा एवं बेस्ट वीडियो फिल्म श्रेणी में दिया गया। कंपनी द्वारा किसी भी एफ.ए.आई वार्षिक राष्ट्रीय सेमीनार में जीते गए ये सर्वाधिक पुरस्कार हैं।

इंडिया हैबिटैट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर त्रिलोचन महापात्र एवं एफ.ए.आई के महानिदेशक सतीश चन्दर ने कंपनी के अधिकारी अजय तायल, एवीपी-मेंटेनेंस, संजय अग्रवाल, डीजीएम-फायर एंड सेफ्टी, अमित गोयल, सीनियर मैनेजर-प्रोसेस, विपुल माथुर, डीजीएम-यूरिया, डॉ नरेश प्रसाद, डीजीएम-मार्केट डेवलपमेंट। इस मौके पर गौरव माथुर-प्रबंध निदेशक, चम्बल फर्टिलाइजर ने भी अपनी उपस्थिति से टीम को प्रोत्साहित किया।

कंपनी द्वारा प्लांट में किये जा रहे सतत उत्पादन के प्रयासों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि रही क्योंकि प्लांट की स्थापना से ही कंपनी पर्यावरण संरक्षण, सेफ्टी एवं उत्कृष्ट तकनीक के लिए प्रतिबद्ध रही है। कंपनी द्वारा निर्मित वीडियो फिल्म स्वस्थ मृदा स्वस्त जीवन को भी प्रथम पुरस्कार मिला। एफ.ए.आई द्वारा देश में संचालित करीब 25 से भी अधिक उर्वरक संयंत्र में सी.एफ.सी.एल के यूरिया संयंत्रों को इन श्रेणियों में सर्वोच्च आंका। एफएआई की स्थापना मुख्य रूप से उर्वरक निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने के उद्देश्य से 1955 में की गयी थी। सी.एफ.सी.एल ने भारत सरकार एवं राज्य सरकार के सतत उत्पादन के मानक एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कई उलेखनीय कार्य किये, जिनमें प्रमुख हैं जलसंरक्षण, वनसंरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट निपटान आदि। कंपनी द्वारा सयंत्र के समीप विकसित ग्रीन बेल्ट पर्यावरण संरक्षण के शेत्र में एक उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय उदाहरण है।

राजस्थान सरकार वन विभाग
कमांक: प.1 (145) वन/2020 जयपुर दिनांक 6.1.2021
प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर
विषय: Diversion of 0.6957 ha. Forest land in Jio Digital Fiber Pvt.Ltd. For Laying of Under ground Optical Fiber Cable Along the Road Within the Exiting Row from Kelwara to Karhal District-Baran (Rajasthan) Total Route Length-24.840 km (FP/RJ/OFC/44278/2020)
संदर्भ:- आपका पत्रांक एफ 14 (391/36)2020 /एफसीए/ प्रमुवस/3499 दिनांक 27.11.2020
महोदय,
उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव में Jio Digital Fiber Pvt. Limited (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में OFC Cable Line हेतु 0.6957 हेक्टयर वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरांत प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अन्तर्गत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा-निर्देशों एवं नवीन निर्देश दिनांक 27.07.2020 के परिपेक्ष्य में Diversion of 0.6957 ha. Forest land in Jio Digital Fiber Pvt.Ltd. For Laying of Under ground Optical Fiber Cable Along the Road Within the Exiting Row from Kelwara to Karhal District -Baran (Rajasthan) Total Route Length-24.840 km (FP/RJ/OFC/44278/2020) की सैद्धांतिक स्वीकृति बिना वृक्षों के पातन सहित निम्न शर्तों के अध्याधीन प्रदान करती है:-
1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नही होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नही किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगे।
4. प्रत्यावर्तित क्षेत्र में रोपित किये जाने वाले वृक्षों को वन विभाग की बिना पुर्वानुमति के नही काटा जावे। उक्त क्षेत्र मे रोपित पेड परिपक्व होने पर, वन विभाग के होगें।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वनक्षेत्र के आस-पास मजदुरों/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नही लगाया जावेगा।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्यरत मजदूरों/ स्टाफ को रसोई गैस/ केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो।
7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस -पास की वनभूमि से/पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/पत्थर काटने या भरने का कार्य नही किया जावेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य में योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए.सर्टिफिकेट प्रस्तुत करायेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
10. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
11. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दिनांक 24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिनांक 7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरश: प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय, पंचायत एवं नगरपालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
भवदीय, (पी.एस.बिश्नोई) संयुक्त शासन सचिव

बीकानेर में फिर चार कोरोना पॉजिटिव

बीकानेर, (कासं)। जिले में बुधवार सुबह कोरोना के चार नए पॉजिटिव केस मिलने के साथ ही एक्टिव मामले बीस तक पहुंच गए हैं। उधर, नोखा में तीसरा पॉजिटिव मिलने के साथ ही ये कस्बा धीरे-धीरे खतरे के निशान पर आ रहा है। बुधवार को पॉजिटिव मिले रोगियों में एक 14 साल का बालक भी है, जो कैलाशपुरी में रहता है। कोरोना के नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि चार नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं, इनमें एक बच्चा भी शामिल है। ये बच्चा कैलाशपुरी एरिया का रहने वाला है। अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये बालक सूरतगढ़ के एक स्कूल हॉस्टल में पढ़ता था। रिपोर्ट आने से पहले ही वो वापस सूरतगढ़ चला गया है।

डॉ. मीणा ने बताया कि इस बारे में श्रीगंगानगर सीएमएचओ को सूचना दी जा रही है। इसके अलावा करमीसर में रहने वाली पचास वर्षीय महिला और हेड पोस्ट ऑफिस के पास रहने वाले 29 वर्षीय युवक को भी कोरोना हो गया है। नोखा में नया केस वार्ड संख्या तीन से है, यहां भी 29 वर्षीय युवक ही कोविड की चपेट में आया है। इसके साथ ही बीकानेर में कोविड पॉजिटिव रोगियों की संख्या बीस तक पहुंच गई है।

तीन दिवसीय कुंभलगढ़ महोत्सव का रंगारंग आगाज

संभागीय आयुक्त व जिला कलेक्टर ने विधिवत शुभारंभ किया

राजसमंद, (निसं)। ऐतिहासिक कुंभलगढ दुर्ग परिसर में तीन दिवसीय कुंभलगढ महोत्सव का आगाज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। प्रारंभ में उदयपुर संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल व पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना ने महाराणा कुंभा की छवि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया तथा संभागीय आयुक्त ने ढोल की थाप बजाकर महोत्सव का शुभारंभ किया।

संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि काफी लम्बे समय कोरोना महामारी के कारण ऐसा आयोजन हो रहा है और आमजन घरों के बाहर निकले है, इसलिये इस महोत्सव को सफल बनाए। जिला कलेक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल ने कहा कि ये महोत्सव मेवाड क्षेत्र की कला और संस्कृति की नायाब पहचान है, जिसमें यहां की सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, दर्शन, कला आदि की झलक दिखाई देती है। फिर राजस्थानी विद्या पर आधारित लाल अंगी गैर, सेहरिया नृत्य, कालबेलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी, तो अफसरों व पर्यटकों ने तालियों की गडगडाहट के साथ उत्साहवर्द्धन किया।

कुंभलगढ़ महोत्सव में कलाकारों ने कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुतियां दी।

सुबह से ही क्षेत्रीय लोगों के साथ दुर्ग भ्रमण के लिए सैलानियों ने खूब आनंद उठाया। बारां से आए कलाकार दल ने चकरी नृत्य व सहरिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी, जिस पर सैलानियों ने भी उसके साथ डांस लिया। इसी तरह बाडमेर के कलाकारों द्वारा लाल गैर नृत्य, जयपुर से आए बहुरूपिए कलाकारों की प्रस्तुति भी बेहद रोमांचकारी रही, जबकि कालबेलिया नृत्य ने भी खूब वाहवाही लूटी।

कलाकारों की मनमोहक

- मनमोहन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

प्रस्तुतियों से पर्यटकों को इतना मंत्रमुग्ध कर दिया कि वे अपने आप को भी नृत्य करने से नहीं रोक पाए। पर्यटन विभाग तथा जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित कुंभलगढ फेस्टिवल दिनभर में दुर्ग परिसर में अलग-अलग नृत्य की प्रस्तुतियां लगातार देते हैं, जिसे देखने के लिए लोगों का काफी जमघट लगा रहा। इस अवसर पर कुंभलगढ उपखंड अधिकारी जयपालसिंह राठौड, प्रधान कमला दसाणा, जिपस दिनदयाल गिरी, आईआरएस अधिकारी मुकेश राठौड, एसीईओ जिप अनिल सनाढ य, सहायक पर्यटन अधिकारी सुजीत जोशी, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष जमनाशंकर, प्रेमसुख शर्मा, विकास अधिकारी भगवानसिंह कुंपावत सहित कई पर्यटक एवं क्षेत्रवासी मौजूद थे। संचालन कुबेरसिंह ने किया।

भीलवाड़ा में 6 साल की स्कूली बच्ची पॉजिटिव

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कंवलिया क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली छह साल की पहली कक्षा की छात्रा जांच में कोरोना संक्रमित मिली हैं। डिप्टी सी एम एच ओ डॉ घनश्याम चावला के अनुसार नाई का खेड़ा राजकीय प्राथमिक विद्यालय की इस छात्रा के पैर में कांटा लगने के बाद मंगलवार को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पैर में माईनर ऑपरेशन होने के कारण डॉक्टरों ने छात्रा की कोरोना जांच करवाई। बुधवार दोपहर इसकी जांच रिपोर्ट में छात्रा पॉजीटिव पाई गई। छात्रा में कोरोना से संबंधित कोई भी लक्षण नही थे। लंबे समय के बाद कोरोना पॉजीटिव आते ही चिकित्सा प्रशासन में भी खलबली मच गई।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR
No.NIT/2021-22/16203-13 Date:01.12.2021
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 236/2021-22
निम्न लिखित परियोजना पर पथकर वसूली हेतु ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का विवरण	आरक्षित राशि (रू.)
Collection of Toll Tax (from Commercial & Private Vehicles) on Pratapgarh-Mandsore Road for 90 days or till Start of Toll Collection by New Agency on urgent Temporary Basis. UBN No. RRC2122SLOB00436	90.95 Lakh

ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अवधि दिनांक 29.11.2021 प्रात 09.00 बजे से 06.12.2021 सायं 06.00 बजे तक
निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित संपूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://roads.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

सार-समाचार

जल व स्वच्छता मिशन की बैठक हुई

जालोर, (कासं)। जल जीवन मिशन जालोर की आठवीं बैठक का आयोजन कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलैक्टर नमृता वृष्णि की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलैक्टर ने निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन सरकार की एक महत्वाकांक्षी येाजना है। इसके तहत मिशन के रूप में कार्य करते हुए वर्ष 2024 तक हर घर में नल कनेक्शन से पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा। इसलिए इस अभियान को जिलें में सभी विभाग अपनी-अपनी भागिदारी सुनिश्चित करते हुए कार्य निष्पादन करे। कुल 793 विलेज एक्शन प्लान में से 280 विलेज एक्शन प्लान अनुमोदन होने पर क्रियाशील आईएसए ऐजेन्सी प्रतिनिधि को शेष विलेज एक्शन प्लान दिसम्बर माह तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल गुणवत्ता निगरानी के लिए हर गांव में ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों की पाचं महिला सदस्यों को पीएचईडी विभाग के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर प्रस्तावित एफटीके प्रशिक्षण कराने के भी निर्देश दिये। सदस्य सचिव पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता ताराचंद कुलदीप ने बताया कि जिलें में मिशन के अंतर्गत 2342 नल कनेक्शन दिये जा चुके है। जल जीवन मिशन के तहत 328.57 लाख रूपये व्यय हो चुके है। जिले के सभी गांवो की ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों का गठन किया जा चुका है तथा 753 ग्राम समितियों के विलेज एक्शन प्लान भी तैयार करवा दिये गये है। बैठक में कृषि विभाग के उपनिदेशक आरबी सिंह, उद्यान विभाग से भूपेन्द्रसिंह राठौड, डिस्कॉम के अधिशाषी अभियंता एन.एल. सुथार, भूजल विभाग वैज्ञानिक महेन्द्रसिंह चौहान, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक अशोक कुमार, शिक्षा विभाग से एईन समसा अशोक माथुर, पीएचईडी के अधिशाषी अभियंता जालोर श्याम बिहारी बैरवा, अधिशाषी अभियंता मोनेटररिंग राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन गांवों के संग अभियान

रानी, (निसं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत बुधवार को रानी उपखण्ड के ग्राम पंचायत इटंदरा मेडतिया में कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मारवाड जंक्शन विधायक खुशवीर सिंह, उपखण्ड अधिकारी रवि कांत सिंह, तहसीलदार सुनीता चारण, विकास अधिकारी आवड दान, प्रधान श्यामा कंवर, सरपंच भंवरलाल , पी आर ओ वैद प्रकाश, सहित समस्त ब्लॉक लेवल अधिकारीगण उपस्थित रहे। कैंप में राजस्व, पंचायती राज सहित अन्य सभी विभागों द्वारा आम जन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया। उपखण्ड अधिकारी सिंह ने बताया कि कैंप में राजस्व विभाग द्वारा सहमति से बंटवारे के 32, रास्ते के 1० , शुद्धि के 121प्रकरण , 136 भू राजस्व अधिनियम के 35, सीमांकन 25, म्यूटेशन 121 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। पंचायती राज विभाग द्वारा 131 पट्टे, ०6जॉब कार्ड, 14 पीपीओ जारी किए गए, । साथ ही तीन बच्चों को पालनहार योजना से लाभान्वित किया गया। कैंप समापन पर उपखण्ड अधिकारी रवि कांत सिंह द्वारा समस्त ग्रामीणों को वैक्सीन लगवाने, और मास्क का प्रयोग करने के लिए अपील की।

मालेरा टोल प्लाजा के खिलाफ जन संपर्क

सरूपगंज, (निसं)। स्वरुपगंज में शिवसेना ने बुधवार को 15 दिसंबर को मालेरा टोल प्लाजा को बंद करवाने को लेकर शिवसेना तहसील प्रमुख भूराराम राठौर ने स्वरूपगंज उपखंड क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर शिव सैनिकों को व ग्रामीणों को शिवसेना द्वारा मालेरा टोल प्लाजा के खिलाफ अवैध रूप से टोल वसूली को लेकर 15 दिसंबर बुधवार को दो बजे अधिक से अधिक संख्या में शिवसैनिको ने ग्रामीणों से समर्थन मांगा। अगली तैयारियों को लेकर शिव सैनिकों को भारी संख्या में पहुंचने का आव्हान किया। जनता की गाढ़ी कमाई को कई वर्षो से एनएचएआई द्वारा अवैध टोल प्लाजा खोलकर खुलेआम लूटा जा रहा है जिसे बंद करवाने की मांग को लेकर शिवसैनिक विरोध प्रदर्शन करेंगे। स्वरूपगंज उपखंड क्षेत्र के रोहिडा, वासा, वाटेरा, भारजा, भीमाना, भुला, मांडवाडा देव व वालोरिया का दौरा कर बताया कि सैकडों शिवसैनिक टोल प्लाजा के घेराव में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे।

पालनहार के तहत मिला लाभ

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे प्रशासन गावों के संग अभियान के तहत बागोडा पंचायत समिति की लूणावास ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में कुसुबी देवी ने अपनी 8 वर्षीय दोहिती माया के बारे में शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी मृदुला शेखावत को बताया कि माया जब छह माह की थी। तब उसकी पिता की मृत्यु के बाद माया की मॉ नाता प्रथा के तहत उसे नानी के पास छोड़कर अन्यंत्र चली गई। शिविर प्रभारी ने तुरन्त समाज कल्याण विभाग द्वारा पालनहार योजना का लाभ माया कुमारी को दिलाया। माया को पालनहार योजना का लाभ मिलने पर कुसबी देवी के चेहरे पर खुशी की लहर छा गई और उसने प्रशासन गावों के संग अभियान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

स्वरूपगंज, (निसं)। स्थानीय स्कूल खेल मैदान में नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ भुला पूर्व सरपंच कन्हैया लाल अग्रवाल व समाजसेवी वहीद कुरेशी के आतिथ्य में किया गया। जानकारी के अनुसार स्थानीय स्कूल खेल मैदान में नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मैच ढाकेला वर्सेज नांदिया के बीच खेला गया। जिसमें नांदिया की टीम विजेता रही। इस दौरान फिरोज सावंत, सोनू शर्मा, इमरान पठान, किशन मोहरेशा, दीपक सिंह, आदिल कुरेशी, नारायण राठौड़, शहनवाज अली, आसिफ कुरेशी, राहुल चोधरी समेत कई लोग मौजूद रहे।

आसमान में छाए रहे बादल

पाली, (नि.सं.)। दिसंबर माह के लगते ही मौसम में खाया पलटा जिसको लेकर बुधवार को शहर के आसमान में दिनभर बादल छाए रहे। सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। जिसके कारण सर्दी बढ़ गई। पाली शहर वासी गर्म कपडों में लिपटे नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में मावट की बारिश होने वह सर्दी बढ़ सकती है।

एच.आई.वी. पीड़ितों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने पर सम्मान किया

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में एचआईवी से संक्रमित व्यक्तियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के संदर्भ में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने बुधवार को आईसीटीसी काउंसलर और एआरटी संस्थान को सम्मानित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डा एस.पी. शर्मा ने बताया की विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष में राजस्थान एड्स कंट्रोल सोसायटी जयपुर द्वारा एचआईवी एड्स के परिपेक्ष्य में उत्कृष्ट कार्य करने पर जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान सरकार श्रीमान परसादी लाल मीणा द्वारा एचआईवी एड्स से संक्रमित व्यक्तियों को बेहतर परामर्श, जांच एव बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर जिला चिकित्सालय में संचालित एआरटी सेंटर एवं आईसीटीसी काउंसलर कमलेंद्र सिंह मंडलावत को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में विशेष सराहनीय कार्य करने में उपलक्ष में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एआरटी डाटा मैनेजर जाकिर अली, काउंसलर राकेश टांक मौजूद रहे।

सुमित्रा बोहरा राज्य स्तर पर सम्मानित

जोधपुर , (कासं)। विश्व एड्स दिवस पर राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी की ओर से जयपुर में बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सुमित्रा बोहरा को एड्स नियंत्रण के उत्कृष्ट , उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य के लिये सम्मानित किया गया। उम्मेद अस्पताल में प्रिवेंशन ऑफ पेरेंटल ट्रांसमिशन सेंटर में कार्यरत परामर्शदाता सुमित्रा बोहरा को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने एड्स कंट्रोल में सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सुमित्रा बोहरा के अथक प्रयास से 2014 से अब तक लगभग 146 बच्चे एड्स संक्रमित माता से जन्म लेकर भी संक्रमण मुक्त पैदा हुए।

फतेहपोल स्कूल में जागरुकता शिविर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रविंद्र कुमार जोशी के आदेशानुसार एवं रैना शर्मा अपर सेशन न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के निर्देशानुसार बुधवार को प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता अशोक कुमार जोशी एवं रजनी व्यास ने विश्व एड्स दिवस व बाल विवाह निषेद्य अभियान के तहत राजकीय सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहपोल में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन कर बताया कि एड्स का बचाव ही एड्स का उपाय है।

उन्होंने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है, समाज के लिए कलंक है इसे जड़ से समाप्त करने की आवश्यकता है।

गोष्ठी आयोजित

रेवदर, (निसं)। सिरोही जिले में ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड के एचडीबीएफएच कार्यक्रम के अंतर्गत एवं परिवार नियोजन स्वास्थ्य विभाग रेवदर के संयुक्त तत्वावधान में आंगनबाड़ी केंद्र मकावल व लूणोल (रेवदर) में विश्व एड्स दिवस को लेकर कार्यक्रम किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के दौरान ममता संस्था के प्रोग्राम ऑफिसर प्रवीण बिश्नोई ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी गर्भवती माताएं,धात्री माताएं एवं योग्य दंपत्ति व किशोरी बालिकाओं को विश्व एड्स दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य व एड्स के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से समझाया गया।

कार्यक्रम में आशा रेवदर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुरेश कुलदीप ने एचआईवी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एचआईवी का एक मुख्य कारण संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाने, ब्लड चढाने के दौरान शरीर में एचआईवी संक्रमित रक्त के चले जाने से वह एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति पर इस्तेमाल करने से एवं गर्भवती पॉजिटिव महिलाएं गर्भावस्था के दौरान ध्यान रखने सहित कई अन्य बातों व सावधानी के बारे में विस्तृत रूप से समझाया गया।

कार्यक्रम में आशा सहयोगिनी निकिता जोशी ने एड्स के मुख्य कारण एवं लक्षण सहित बचाव की मुख्य बातें परिचर्चा के दौरान समझाइए गई।

इसी प्रकार लूणोल गांव में ममता संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जबराराम ने विश्व एड्स दिवस का उद्देश्य एड्स रोग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढाना, और इस बीमारी से जिसकी मौत हो गई है उनका शोक मनाना है।

इस अवसर पर आंगनवाडी कार्यकर्ता चंदा देवी, लक्ष्मी देवी, आंगनवाडी सहायिका जमना देवी, सुखी देवी, लूणोल से लता देवी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगिनी रेखा देवी सहित ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण पेयजल समिति के सदस्य सहित ग्राम स्वास्थ्य मित्र व अन्य लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रही।

जोधपुर डिस्कॉम ने 8 बिजली चोरी के प्रकरण पकड़े

जोधपुर,(का.सं.)। जोधपुर डिस्कॉम ने बिजली चोरों के खिलाफ व्यापक अभियान छेड़ रखा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार एक दिसंबर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतर्कता जोधपुर के निर्देशन में जोधपुर जोन एवं बीकानेर जोन में सतर्कता अधिकारियों एवं थानाधिकारी एटीपीएस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों पर बिजली चोरी के मामले पकडते हुए सतर्कता जांच प्रतिवेदन भरे और कई स्थानों से बिजली के अवैध ट्रांसफार्मर जब्त किए गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतर्कता नाजिम अली खान के अनुसार जोधपुर संभाग में आठ स्थानों पर बिजली चोरी होते हुए पाई गई। इसमें जोधपुर शहर वृत्त में 3 स्थानों पर एक प्रकरण लूणी, एक तिंवरी, एक सिणधरी, एक खारची और एक बिजली चोरी का एक प्रकरण फतहगढ़ में सामने आया है।

इसी प्रकार सुरतगढ़ में चार, नौखा शहर, सरदार शहर और रतनगढ़ में एक-एक बिजली चोरी का प्रकरण सामने आया है।

मिली जानकारी के अनुसार इन मामलों में लाखों रूपये की बिजली चोरी होने का अनुमान है। राजस्व वसूली के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की मोबाइल वैन को रवाना किया

■ **कलैक्टर नम्रता वृष्णि, एस.पी. हर्षवर्धन अग्रवाला ने रवाना किया**

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु ने बुधवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

जालोर जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा रबी 2021-22 हेतु जारी अधिसूचना के अनुसार गेहूँ, चना, सरसों, तारामीरा, जीरा एवं इसबगोल फसल को अधिसूचित किया गया है।

कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. आर.बी. सिंह ने बताया कि जालोर जिले में फसल बीमा के क्रियान्वयन के लिए बजाज एलायन्ज जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को अधिकृत किया गया है। योजनान्तर्गत फसली ऋण लेने वाले ऋणी कृषक, गैर ऋणी कृषक एवं बटाईदार कृषकों द्वारा फसलों का बीमा करवाया जा सकेगा। कृषक द्वारा मात्र एक बैंक अथवा संस्था के माध्यम से ही फसल का बीमा कराया जा सकेगा। कृषक द्वारा किसी स्थिति दोहरा बीमा मान्य नहीं होगा। गैर ऋणी एवं बटाईदार कृषक स्वैच्छिक आधार पर अपनी फसलों का बीमा नामांकन की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर तक निकट के सहकारी/ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/ वाणिज्यिक बैंक की शाखाओं एवं सी.एस.सी के माध्यम से अथवा अधिकृत बीमा कम्पनी बजाज एलायन्ज जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के प्रतिनिधि अथवा फसल बीमा पोर्टल के माध्यम से भी निर्धारित प्रक्रिया अनुसार करा सकेंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न रबी की फसलों में बीमित राशि एवं कृषक प्रीमियम राशि प्रति हैक्टर गेहूँ बीमित राशि 41171 रूपये एवं प्रीमियम राशि. 617.57 रूपये, चना बीमित राशि. 49317 रूपये एवं प्रीमियम राशि 739.76 रूपये , सरसों बीमित राशि. 53083 रूपये एवं प्रीमियम राशि रू. 796.25, तारामीरा बीमित राशि 21353 रूपये एवं प्रीमियम राशि 320.30 रूपये, जीरा बीमित राशि. 90282 रूपये एवं प्रीमियम राशि 4514.1 रूपये तथा इसबगोल की फसल में बीमित राशि 61233 रूपये एवं प्रीमियम राशि रू. 3061.65 निर्धारित है।

पद्मश्री डॉ. अर्जुनसिंह शेखावत का स्वागत

पाली में पद्मश्री डॉ. अर्जुनसिंह शेखावत का अभिनन्दन विधायक ज्ञानचंद पारख, नगर परिषद सभापति रेखा भाटी, पूर्व सभापति राकेश भाटी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार लखावत के आतिथ्य में किया गया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। साहित्य साधना समिति व भारतीय विद्या मंदिर महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत डॉ. अर्जुनसिंह शेखावत का अभिनन्दन किया गया।

पाली विधायक ज्ञानचंद पारख के मुख्य आतिथ्य, नगर परिषद सभापति रेखा राकेश भाटी की अध्यक्षता व पूर्व सभापति राकेश भाटी व पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार लखावत के विशिष्ट आतिथ्य में संस्था के अध्यक्ष सीताराम जोशी साफा, ज्ञानचन्द पारख के द्वारा माला,रेखा भाटी द्वारा शाल व राकेश भाटी द्वाराश्रीफल व बसन्त लखावत, रविन्द्र जोशी,देवराज शर्मा व अतिथियों द्वारा डॉ. अर्जुनसिंह शेखावत अभिनन्दन पत्र प्रदान कर स्वागत किया गया। कवि सुख सिंह आउवा काव्यात्मक सम्मान व्यक्त किया। संस्था के निदेशक रवीन्द्र जोशी, संयुक्त निदेशक सुनील जोशी, उपनिदेशक शुभम् जोशी के साथ साहित्यकार मांगुसिंह दुदावत,पवन पाण्डेय, गोपीदास रामावत, अब्दुल समद राही, दिनेश दवे, शिक्षाविद सोहनलाल जोशी, हीरालाल, निजी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रदीप दवे, राजेंद्र सिंह, जयशंकर त्रिवेदी, कृष्ण कुमार शर्मा, उषा जोशी ने शेखावत के सेवा से परिपूर्ण जीवन की सराहना करते हुए बहुमान किया। मुख्य अतिथि पारख ने शिक्षाविद व वरिष्ठ समाजसेवी सीताराम जोशी के जीवन पर आधारित व रविन्द्र कुमार जोशी द्वारा सम्पादित पुस्तक''यादों का इन्द्र धनुष''का लोकार्पण व पद्मश्री शेखावत का बहुमान करते हुए इनके समाज सेवा में समर्पित तपस्वी जीवन को नमन करते हुए इनके जीवन से सीख लेकर समाज व राष्ट्र के प्रति निष्ठा व समर्पण भाव से सतर्कता कार्य करने का आ ान किया। पद्मश्री शेखावत ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज के पीड़ित व उपेक्षित वर्ग के लिए अन्तर्मन से सेवा करने व अपनी मातृभाषा राजस्थानी को मान्यता दिलाने हेतु प्राणपण से कौशिश करने का आग्रह किया। अतिथियों ने आशुकवि सुखसिंह आऊवा को युथवर्ड भारतीय गौरव अवार्ड मिलने पर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना व मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। महामंत्री देवराज शर्मा ने आभार जताया। शिवहरी शर्मा द्वारा शुभकामनाएं सन्देश भेजा समारोह में नवीन सिंह, धीरज दवे, गोरधन सिंह, शिवम जोशी, अंजू जोशी , भगवती , निशा एवं छात्राध्यापिका आदि उपस्थित रहे।

जालोर में प्रशासन शहरों के संग शिविर आयोजित

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार की ओर से शहरी क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के त्वरित निदान एवं पट्टो से वंचित लोगों को पट्टे जारी करने के लिए राज्य की नगरीय निकायों में ''प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021'' चलाया जा रहा हैं। इसी क्रम में नगरपरिषद, जालोर द्वारा बुधवार को नगरपरिषद के वार्ड संख्या वार्ड संख्या 30, 31, 32 के लिए रा.उ.प्रा. विद्यालय रामदेव कॉलोनी, जालोर में कैम्प का आयोजन किया गया।

परिषद के आयुक्त महिपालसिंह ने बताया कि जिसमें वार्डवासियों के द्वारा कृषि भूमि नियमन के लिए पट्टे के लिए दो आवेदन व आबादी भूमि नियमन के लिए दो आवेदन के प्राप्त हूए और डे-एनयूएलएम योजनान्तर्गत एक स्वरोजगार घटक, एक कौशल विकास प्रशिक्षण, चार शहरी पथ विक्रेता के तहत प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राप्त हूए। वहीं इन्दिरा शहरी क्रेडिट कार्ड के लिए 15 आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। इसी क्रम में नगरपरिषद जालोर द्वारा जनहित में आमजन की सुविधार्थ 10 पट्टे कृषि भूमि नियमन के जारी किये गये एवं दो पट्टे स्टेट ग्रान्ट एक्ट के तहत जारी किये गये। इसके साथ ही छह जन्म मृत्यु प्रकरणों का शिविर में ही निस्तारण कर आमजन को वितरण किये गये। वहीं एनयूएलएम योजनान्तर्गत एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया और चार पथ विक्रेताओं को व्यपार करने के लिए पहचान पत्र व व्यापार करने के लिए विक्रय प्रमाण पत्र जारी किये गये।

इसके अलावा कैम्प में मौजूद अन्य विभाग जिसमें पीएचईडी विभाग के द्वारा दो प्रकरणों का निस्तारण किया गया। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा पूरक पोशाहार के तहत 96 लाभार्थियों के आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसका निस्तारण किया जा रहा हैं और समेकित बाल विकास योजना के तहत एक प्रकरण प्राप्त हुए जिसका विभाग द्वारा निस्तारण किया जा रहा हैं। इसके अतिरिक्त चिकित्सा विभाग के द्वारा 14 प्रकरणों का कैम्प में ही निस्तारण किया जाकर आमजन को राहत प्रदान की गई।

चोर डिस्कॉम कार्यालय से तिजोरी उठा ले गए

जोधपुर, (कांस)। कबीर नगर स्थित जोधपुर डिस्कॉम कार्यालय में रात को चोरों ने सेंध लगाकर वहां से तिजौरी ही उठा ले गए। आज सुबह जब कार्यालय खुला तब घटना का पता लगा। सूचना पर सूरसागर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। बताया गया कि कार्यालय के सहायक अभियंता रात को ही चार लाख केश अपने साथ लेकर चले गए, अन्यथा रूपए भी चले जाते। चुराई गई तिजौरी में सालाना ऑडिट की फाइलें आदि दस्तावेज थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत देबावास पंचायत समिति, जालोर

क्रमांक:/ग्राप/मनरेगा/2021-22/425 दिनांक 30.11.2021

ई-निविदा सूचना संख्या -01/2021-22

पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत देबावास के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 की शेष अवधि के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अन्य योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यो के लिए निर्माण सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता नियम 2013 (आदिनांक संशोधित) के अनुसार राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के तहत वस्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम 2017 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा पंजीकृत अनुभवी एवं इच्छुक विर्निमाता (ओं)/विक्रेता (ओ)/ फर्मो/संवेदकों/ आपूर्तिकताओं से, जो किसी भी राजकीय संस्थान/उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संबंधी समस्त विस्तृत कार्यालय नोटिस बोर्ड तथा www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जाकर डाउनलोड कर www.eproc.rajasthan.gov.in पर ई-निविदा ऑनलाईन अपलोड की जा सकती है।

NIB No. ZJR2122A0510 UBN No. ZJR2122GLOB01782

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत देबावास	ग्राम पंचायत देबावास
पंचायत समिति जालोर	पंचायत समिति जालोर

कार्यालय ग्राम पंचायत गोदन पंचायत समिति, जालोर

क्रमांक:/ग्राप/मनरेगा/2021-22/105 दिनांक 30.11.2021

ई-निविदा सूचना संख्या -01/2021-22

पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत गोदन के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 की शेष अवधि के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अन्य योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यो के लिए निर्माण सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता नियम 2013 (आदिनांक संशोधित) के अनुसार राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के तहत वस्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम 2017 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा पंजीकृत अनुभवी एवं इच्छुक विर्निमाता (ओं)/विक्रेता (ओ)/ फर्मो/संवेदकों/ आपूर्तिकताओं से, जो किसी भी राजकीय संस्थान/उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संबंधी समस्त विस्तृत कार्यालय नोटिस बोर्ड तथा www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जाकर डाउनलोड कर www.eproc.rajasthan.gov.in पर ई-निविदा ऑनलाईन अपलोड की जा सकती है।

NIB No. ZJR2122A0511 UBN No. ZJR2122GLOB01783

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत गोदन	ग्राम पंचायत गोदन
पंचायत समिति जालोर	पंचायत समिति जालोर

पति को बचाने पत्नी कुएं में कूदी

■ **सोपरला गांव में पैर फिसलने से युवक कुएं में गिरा**

स्वरूपगंज, (निसं)। सिरोही जिले में स्वरूपगंज के पास रोहिडा थाना क्षेत्र के समीप सोपरला गांव में पैर फिसलने से एक युवक कुएं में गिर गया।

पति को गिरता देख पत्नी ने बड़ी दिलेरी के साथ पति को बचाने के लिए कुएं में छलांग लगा दी। जिससे पति-पत्नी दोनों घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार रोहिडा थाना क्षेत्र के समीप सोपरला में एक कृषि कुएं पर सोहनलाल पुत्र नोनाराम गरासिया का पैर फिसलने से कुएं में गिर गया। पति को कुएं ने गिरता देख पत्नी सुमरी पत्नी सोहनलाल ने बड़ी दिलेरी दिखाते हुए बीस फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। जिससे दोनो गम्भीर रूप से घायल हो गए। परीजनो की मदद से दोनो को बाहर निकालकर सरुपगंज अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिरोही रेफर किया गया।

गनीमत रही कि कुंआ सुख होने के बावजूद दोनों बच गए। वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

जोधपुर में कांग्रेस को दो जिलाध्यक्ष मिले

जोधपुर , (कासं) । विगत डेढ़ दशक के इंतजार के बाद आखिरकार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृहनगर जोधपुर में कांग्रेस को नया जिलाध्यक्ष मिल ही गया।

खासियत की बात यह कि इस बार एक नहीं दो जिलाध्यक्ष मिले है। नगर निगम की तर्ज पर कांग्रेस संगठन को दो हिस्सों में बांट दिया गया है। जोधपुर नार्थ की बागडोर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष सलीम खान को तो जोधपुर पश्चिम में कांग्रेस संगठन की बागडोर शास्त्री नगर से पार्षद नरेश जोशी को सौंपी गई है। जबकि जोधपुर ग्रामीण में एक बार फिर बिलाड़ा विधायक हीरालाल मेघवाल जिलाध्यक्ष होंगे।

जोधपुर शहर में अपेक्षाकृत बेहत कम चर्चित चेहरों पर गहलोत ने दांव खेल सभी को एक बार फिर चौंका दिया है। यह पहले से तय था कि इस बार नगर निगम की तर्ज पर जोधपुर में पार्टी संगठन को दो हिस्सों में बांट दिया जाएगा। शुरू से ही यह कयास लगाए जा रहे ते कि गहलोत एक हिस्से की बागडोर किसी ब्राह्मण व दूसरे की जिम्मेदारी ओबीसी या वैश्य समुदाय में से किसी को सौपेंगे। इसके पीछे यह तर्क दिया जा रहा था कि सईद अंसारी के रूप में अल्पसंख्यक समुदाय के पास यह पद डेढ़ दशक से अधिक समय तक चला आ रहा है। कई चर्चित चेहरे जिलाध्यक्ष पद की रेस में शामिल थे। गहलोत ने एक बार फिर किसी को भनक तक नहीं लगने दी और कार्यकर्ताओं के बीच से सलीम खान और कैलाश जोशी को उठा कर बागडोर सौंप दी।

पचास वर्षीय सलीम खान शहरी क्षेत्र में कांठोस के बरसों पुराने कार्यकर्ता रहे है। बगैर किसी लाग लपेट के पार्टी संगठन की सेवा में वे हमेशा से तत्पर रहे। उनकी इस नियुक्ति में जोधपुर शहर विधायक मनीषा पंवार की अहम भूमिका मानी जा रही है।

बरसों से सलीम की सक्रियता को अब प्रतिफल मिला है।

नरेश जोशी जोधपुर में कांठोस के छात्र संगठन एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष रह चुके है। गहलोत के करीबी माने जाने वाले एडवोकेट काशीनाथ जोशी के भतीजे नरेश कई बरस तक पार्टी में सक्रिय रहने के बाद जालोर स्थित अपने ग्रेनाइट कारोबार के चलते ज्यादा सक्रिय नहीं रह पाए। बार फिर सक्रिय हुए और चुनाव लड़ा। चुनाव जीतने के साथ उनकी सक्रियता एक बार फिर बढ़ गई। सभी को साथ लेकर चलने की उनकी काबिलियत ने भी उन्हें इस पद तक पहुंचाने में काफी मदद की।

पुरातत्व विभाग से जैसलमेर किले के मकानों की मरम्मत की अनुमति मांगी

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारत के एकमात्र लिविंग फोर्ट सोनार किले में लंबे समय से गिरने की कगार पर पड़े मकानों को लेकर जिला कलैक्टर आशीष मोदी ने भारतीय पुरातत्व विभाग को पत्र लिखा है। भारतीय पुरातत्व विभाग की महानिदेशक वी विद्यापति को कलेक्टर आशीष मोदी ने सोनार किले में गिरने के कगार पर सदियों पुराने मकानों की मरम्मत करवाने के लिए अनुमति दिलवाने की मांग की है । उन्होंने इस संबंध में एक अधिकारी की नियुक्ति की भी मांग की है ताकि लोगों को मकान की मरम्मत की परमिशन आदि के लिए भटकना नहीं पड़े ।

दरअसल सोनार दुर्ग में सदियों से लोग निवास कर रहे हैं , इसी वजह से इसे लिविंग फोर्ट भी कहा जाता है । इस किले में सदियों पुराने मकान हैं जिनकी मरम्मत की जानी है मगर विभाग की अनुमति के बिना इनके मरम्मत का काम नहीं हो पा रहा है ।

बारिश के मौसम में कई बार पुराने मकानों के गिरने से हादसे भी होते रहे हैं । ऐसे में इन मकानों के आस - पास रहने वाले लोगों में हमेशा हादसे का डर सताता है । युनेस्को की धरोहर में शामिल होने और भारतीय पुरातत्व विभाग के अंडर में होने के कारण इनमें किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य और मरम्मत तक पर रोक लगी है । हालांकि कई लोगों ने जर्जर मकानों की मरम्मत के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग से परमिशन भी मांगी है मगर विभाग की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है । ऐसे में लोगों को हमेशा हादसे का डर सता रहा है। कलैक्टर आशीष मोदी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय पुरातत्व विभाग की महानिदेशक को पत्र लिखकर इस बारे में अनुमति देने की मांग की है । कलक्टर ने खत में लिखा कि सोनार फोर्ट जिसमें लगभग पंद्रह सौ से अठारह सौ व्यक्ति निवास करते हैं , इनमें कई मकान जर्जर हालत में हैं । उसकी मरम्मत के लिए लोगों ने भारतीय पुरातत्व विभाग में आवेदन किया हुआ है परन्तु अभी तक विभाग कि तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है । ये मकान इस हालत में है कि कभी भी गिर सकते हैं और जान - माल का नुकसान हो सकता है । कलक्टर मोदी ने पत्र में

निवेदन किया है कि जैसलमेर फोर्ट एक रहवासी दुर्ग होने तथा दुर्ग के अन्दर 2 नगर परिषद वार्ड होने के कारण यहां भारतीय पुरातत्व विभाग एवं नगर परिषद में आपसी तालमेल की आवश्यकता है । लेकिन विभाग में इस मामले को निपटाने के लिए भी कोई अधिकारी को नहीं लगाया गया है । जो अधिकारी है उनके पास भी अतिरिक्त चार्ज दिया हुआ है । वो अधिकारी भी 1 या 2 महीने में जैसलमेर आते हैं । कलैक्टर मोदी ने महानिदेशक से निवेदन किया है कि जैसलमेर में एक स्थाई अधिकारी की पोस्टिंग की जाए ताकि लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

प्रशासन गांवों के संग अभियान के शिविर में कई लोगों की समस्या का निस्तारण किया

रेवदर के पास सनवाड़ा में प्रशासन गांवों के संग अभियान में लोगों को पट्टे बांटे। फोटो-राष्ट्रदूत

आमली गांव में खेल मैदान के लिए जगह आवंटन के कागजात दिये। फोटो-राष्ट्रदूत

पिंडवाड़ा,(निसं)। सिरोही जिले में ग्राम पंचायत आमली में प्रशासन गांवों के संग शिविर का आयोजन उपखंड अधिकारी हसमुख कुमार, तहसीलदार मीणा, ग्राम विकास अधिकारी हनुवीर सिंह विश्नोई, आमली सरपंच वीरा राम गरासिया, आबू पिंडवाडा विधायक समाराम गरासिया, जिला परिषद सदस्य रतन देवी रावल, पंचायत समिति सदस्य चंपाबाई , उपसरपंच देवेंद्र भाई, चेलाराम, सुरता राम, छगन राम तेजाराम, ठाकरी राम, रमेश भाई रावल आदि की उपस्थिति में किया गया।

शिविर में आमली सरपंच वीराराम गरासिया उप सरपंच देवेन्द्र, वार्ड पंच और शांतिलाल, पुनाराम शिक्षा विभाग के बाबूलाल धर्माराम गरासिया, भंवरलाल गरासिया गजा राम, रमेश कुमार, जलाराम , नाथूलाल, शिव लाल, भगवत सिंह बाबू सिंह अर्जुन सिंह ने सहयोग किया। आमली गांव के लिए खेल मैदान का आवंटन आदेश अध्यापक और सरपंच को दिया। पट्टा वितरण, आबादी क्रमोन्नत, घरेलू बिजली कनेक्शन, पेंशन, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति, मूल प्रमाणपत्र, श्रमिक कार्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग से संबंधित लोगों के कार्य करवाए गए। .

शिविर में ग्राम विकास अधिकारी रमेश कुमार, रोजगार सहायक लीलाराम, पंचायत सहायक गोपाल कुमार, पुखराज गर्ग और मेघाराम सहित कर्मचारियों ने कार्य किया।

रेवदर संवाददाता के अनुसार : प्रशासन गांवों के संग अभियान ग्राम पंचायत सनवाडा में बुधवार को सरपंच महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुआ।

प्रधान राधिका बैन देवासी शिविर प्रभारी रामजी भाई कलबी उपखंड अधिकारी, विकास अधिकारी मनहर बिश्नोई, तहसीलदार जितेंद्र सिंह जिला परिषद सदस्य रामाराम गरासिया,ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह देवडा, डबाणी सरपंच कृष्णपाल सिंह देवड़ा के आतिथ्य में शिविर आयोजित किया।

शिविर में शिविर प्रभारी रामजी भाई कलबी व मनहर बिश्नोई द्वारा जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गरत ग्राम असावा, सनवाडा में स्वीकृत योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा आम ग्रामीणों को राज्य सरकार के नियमानुसार 50 व एससी एसटी के लिए 25० रुपये ग्राम पंचायत में जमा कराने के लिए आग्रह किया गया।

शिविर प्रभारी व प्रधान राधिका बैन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत 6 नए जॉब कार्ड, केटेगरी फोर्थ के तहत खेतों में मेडबंदी और टीन शेड निर्माण के 9 प्रस्ताव, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 2 स्वीकृति आदेश, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 3 परिवारों के शौचालय निर्माण की स्वीकृतियां एवं 95 पट्टे, जन्म व मृत्यु के पांच, विवाह प्रमाण पत्र एक वितरित किया गया। राजस्व विभाग द्वारा 163 नामान्तरण,7 सहमति से विभाजन,6 रास्ते से सम्बंधित प्रकरण, 123 नाम शुद्धि के, 2 आबादी विस्तार के प्रस्ताव तैयार करना आदि कार्य किये गए

अतिरिक्त विकास अधिकारी शंकरलाल मेघवाल द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक ग्रामीणों को फायदा लेने का आग्रह किया गया। नायब तहसीलदार मंगलाराम मीणा, किशन लाल,आर आई चारण, किशन लाल, पटवारी छगन लाल पूरी, रवेशीदान,अशोक कुमार श्रम विभाग, पशुपालन विभाग, जलदाय विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, चिकित्सा एंड स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित 22 विभागों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में पंचायत समिति रेवदर से अतिरिक्त विकास अधिकारी शंकरलाल मेघवाल, भरत सिंह, सहायक गोविंद मेघवाल ग्राम ग्राम विकास अधिकारी हितेश बामणिया, पवन ओसवाल, ,रोजगार सहायक कालूराम मेघवाल,पंचायत सहायक अरविंदसिंह,वगताराम, उप सरपंच महिपालसिंह,वार्डपंच दलाराम मेघवाल, राधा देवासी, लक्ष्मी देवी, रगाराम, वॉलिंटियर कमल दास संत, अमृत संत, रमेश पुरोहि,मगाराम,छगन पुरोहित आदि उपस्थित रहे।

बी.एस.एफ.के स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम हुए

बाड़मेर, (निसं)। सीमा सुरक्षा बल वर्तमान समय में देश का सबसे मजबूत दल है, जो 24 घण्टे देश की सुरक्षा में तैनात है, बीएसएफ आमजन के साथ मिलकर राष्ट्र की सुरक्षा के साथ साथ सामाजिक सरोकार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीएसएफ की स्थापना 1965 में हुई थी। उसके बाद से लगातार देश की मजबूती में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है । उक्त उदगार 83 वीं वाहिनी के कमांडेंट एम पी सिंह ने बुधवार को बाड़मेर में बीएसएफ स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में व्यक्त किये ।

83 वीं वाहिनी की बावा अध्यक्ष मोहिनी यादव ने कहा कि बीएसएफ स्थापना दिवस के अवसर पर कार्मिकों और परिवारों की प्रस्तुतियां काबिले तारीफ है। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थानी ,गुजराती पंजाबी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयी। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। वही बीएसएफ स्थापना दिवस के अवसर पर 83 वीं वाहिनी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कमांडेंट एम पी सिंह ,बावा अध्यक्ष मोहिनी यादव, दुर्गावाहिनी संयोजिका प्रियंका गुप्ता , द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश ठाकुर,मरुगूँज संस्थान और टीम थार के वीर के संयोजक रघुवीरसिंह तामलोर और डॉ वसुंधरा यादव ने रक्तदाताओं का हौसला अफजाई की। कमांडेंट एम पी सिंह ने कहा कि बीएसएफ राष्ट्र सुरक्षा के साथ साथ सामाजिक सरोकार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बुधवार को स्थापना दिवस पर मरुगूंज संस्थान और टीम थार के वीर के सहयोग से रक्तदान शिविर में बावा अध्यक्ष मोहिनी यादव, कमांडेंट एम पी सिंह और मरुगूंज संस्थान ओर टीम थार के वीर के संयोजक रघुवीरसिंह तामलोर सहित लोगों ने रक्तदान किया।

शिविर का बहिष्कार किया

जालोर, (निसं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश व्यापी आव्हान पर राज्य कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश महासंघ द्वारा घोषित किए गए चरणबद्ध आंदोलन की कड़ी में 1 दिसम्बर से 3 दिसंबर तक शिविरों का बहिष्कार, असहयोग एवं उपखंड कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन के तहत 1 दिसम्बर से उपशाखा अध्यक्ष पुख सिंह भाटी के नेतृत्व में धरना दिया एवं मुख्य सचिव के नाम उपखंड अधिकारी जालौर को ज्ञापन सौंपा गया।

धरने में कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह मंडलावत, उपशाखा मंत्री ललित कुमार सूरीयाल, उपाध्यक्ष मदन सिंह बालोत ग्राम विकास अधिकारी संघ, महासंघ उपाध्यक्ष पोकाराम सोलंकी , वेलाराम, हंजा राम, अनिल व्यास सहायक विकास एवं अतिरिक्त विकास अधिकारी संघ, राधेश्याम तंवर सहायक कर्मचारी संघ , कैलाश कुमार खत्री, प्रकाश नारायण माली प्रगतिशील शिक्षक संघ, वरुण शर्मा, गोपाल विश्नोई, हंसराज आदि मौजूद रहे।

दूध का दूध, पानी का पानी अभियान शुरू

जालोर,(कासं)। जिले में राज्य सरकार के जन स्वास्थ्य जागरण अभियान के तहत सरस डेयरी रानीवाडा द्वारा रानीवाडा शहर में बुधवार को 'दूध का दूध पानी का पानी अभियान' का प्रबन्ध संचालक ओमप्रकाश सुखाडिया के निर्देशन में शुभारम्भ किया गया।

अभियान के दौरान उपभोक्ताओं के दूध की मौके पर ही जांच की जाकर दूध की गुणवत्ता के बारे में जागरूक किया गया। अभियान में आमजन ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए दूध की गुणवत्ता की जांच करवाई। इस दौरान जवानसिंह, प्रकाश श्रीवास्तव, अशोक बोहरा, महेन्द्र सिंह व अजीम खान उपस्थित थे।

अबूरोड में कोविड सैंपलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए

आबूरोड में चिकित्सा अधिकारी, एलएचवी व कम्प्यूटर ऑपरेटर का समेकित रोग निगरानी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

आबूरोड, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम आईडीएसपी के अंतर्गत स्वास्थ्य भवन के सभागार में आबूरोड ब्लॉक के सभी चिकित्सा अधिकारियों एलएचवी व कम्प्यूटर ऑपरेटर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार की अध्यक्षता में समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम आईएचआईपी का प्रशिक्षण दिया गया।

सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार ने साथ ही सभी चिकित्सा अधिकारियों को कोरोना की संभावित तीसरी लहर से बचाव के लिए आमजन में जागरूकता लाकर कोविड टीकाकरण की दोनों डोज समय पर लगवाने व कोविड सैम्पलिंग अधिक से अधिक करने के निर्देश दिये। सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार ने बैठक में जिले में संचालित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम योजना व कोरोना संक्रमण के बचाव की अब तक की स्थिति के बारे में चिकित्सा अधिकारियों से वार्तालाप कर समीक्षा की साथ आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। उन्होंने बताया की कोरोना महामारी में गर्भवती महिला व बच्चों का टीकाकरण से वंचित नही रहे इसलिए आँगनवाडी केन्द्र व चिकित्सा संस्थान पर टीकाकरण समय पर करवाने के निर्देश दिये। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. विवेक कुमार ने बताया कि समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम आईएचआईपी एक रियल टाइम आधारित वेब इनेबल्ड इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ इनफार्मेशन सिस्टम है। जिसमें किसी भी बीमारी के केस के आधार पर स्वास्थ्य संस्था के डाटा को एकत्रित किया जायेगा। यह एक सिंगल विंडो प्लेटफार्म है। आईएचआईपी की शुरुआत आईडीएसपी कार्यक्रम से की गयी है। तीन प्रकार के प्रारूप एसए पी और एल को ऑनलाइन भरा जावेगा तथा किसी भी प्रकार की बीमारी का अलर्ट जारी किया जा सकता है। प्रशिक्षण में आईएचआईपी मोबाइल एप में फॉर्म किस प्रकार भरा जायेगा उसका प्रशिक्षण एसएमओ डब्ल्यूएचओ डॉ. पंकज सुथार ने पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा दिया तथा एलएचवी को मोबाइल पर एप इनस्टॉल करने की जानकारी दी।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महेश गौतम, यूएनएफपीए जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ. गिरीश माथुर, जिला आईईसी समन्वयक दिलावर खां के साथ सोहन लाल आदि मौजूद रहे।

दुपहिया वाहन चोरी का खुलासा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने बुधवार को सायला में दुपहिया वाहन चोरी की एक दर्जन वारदातों का पर्दाफाश कर एक किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया। चोरी की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की।

जिलें में सम्पति संबंधी अपराध की रोकथाम व वारदातों को ट्रेस करने के क्रम में दुपहिया वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने तथा बरामदगी एवं अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत सायला पुलिस टीम ने आसूचना संकलन कर तकनीकी सहायता व सतत निगरानी रखकर विधि से संघर्षरत एक नाबालिग किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया जाकर थाना सायला के प्रकरण में चोरी गई मोटरसाईकिल को बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान नाबालिग किशोर द्वारा पाली जिले में अपने साथीयों के साथ कमटा मजदूरी करना व अपने घर बाड़मेर जाते समय रास्ते से मोटरसाईकिले चुरा कर ले जाना बताया है। उक्त नाबालिग किशोर व उसके साथियों द्वारा कस्बा सायला, जालोर शहर, रानी जिला पाली व बालोतरा जिला बाड़मेर से करीब एक दर्जन मोटरसाईकिले चोरी करना स्वीकार किया है। वारदात में अन्य साथियों के संबंध में पूछताछ जारी है।

कस्बा सायला में नया बस स्टेण्ड के पास गली में मकान के आगे खडी की हुई मोटरसाईकिल को चुरा कर ले जाना को लेकर नरसिंहदान पुत्र देवीदान, जाति चारण, निवासी नरपुरा थाना बागरा हाल भू-अभिलेख निरीक्षक सायला की रिपोर्ट पर थाना सायला में अनुसंधान शुरू किया गया।

बालक-बालिका कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

जालोर जिला कुश्ती संघ ओलंपिक पद्धति के तत्वावधान में आयोजित अंडर -15 बालक व बालिका कुश्ती प्रतियोगिता का खिताब आर्य वीर दल ने जीता। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला कुश्ती संघ ओलंपिक पद्धति के तत्वावधान में आयोजित अंडर -15 बालक व बालिका कुश्ती प्रतियोगिता का खिताब आर्य वीर दल ने जीता। जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष महेंद्र मुणोत व सचिव दलपत सिंह आर्य ने बताया कि आर्य वीर दल , वीरम व्यायामशाला में आयोजित हुई।

कुश्ती प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला वूशु संघ के अध्यक्ष शिवदत्त आर्य थे,जबकि अध्यक्षता जिला एथलेटिक संघ के सचिव कन्हैयालाल मिश्रा ने की। विशिष्ठ अतिथि शाखा नायक गणपत आर्य, बॉक्सिंग कोच पुष्पेंद्र परमार, छगन नाथ व जिला वुशू संघ के कोषाध्यक्ष वरुण शर्मा थे। मुख्य अतिथि शिवदत्त आर्य ने कहा आर्य वीर दल लंबे समय से विभिन्न खेलों नि:शुल्क ट्रेनिंग दे रहा है। युवा व्यायामशाला में आकर नियमित अभ्यास करें।

नियमित अभ्यास से ही जीवन में सफलताएं मिल सकती है । आर्य ने बताया कि बालिका फ्री स्टाइल कुश्ती में 42 किलोग्राम भार वर्ग में नेहा सुथार प्रथम उर्वशी व्दितीय, बालक फ्री स्टाइल कुश्ती के 38 किलोग्राम भार वर्ग में प्रेम कुमार प्रथम व हर्ष द्वितीय, 44 किलोग्राम भार वर्ग में दीप सिंह प्रथम व किरण कुमार व्दितीय तथा 52 किलोग्राम भार वर्ग में मोहित प्रथम व भावेश नाथ व्दितीय स्थान पर रहे। सचिव आर्य ने पहलवानों को दांवपेच के गुर सिखाए। आर्यवीर कुंदन नाथ के कच्छ की घोड़ी नृत्य पर राज्य भर में व्दितीय स्थान प्राप्त करने पर माल्यार्पण कर स्वागत किया। विभिन्न भार वर्ग के जिया, कुसुम सुथार,नेहा गोस्वामी, हंसिका मोनिका स्वामी , महावीर सिंह, पार्थ मदान व कुंदन नाथ के सामने प्रतियोगी पहलवान नहीं होने के कारण उनकी कुश्तियां के मुकाबले नहीं हो सके। स्टेशन के कोषाध्यक्ष विनोद आर्य, मोहन लाल भादरू, कूपाराम आर्य, रामरख गोदारा, गुलाब नाथ,यश परमार, दिलीप कुमार, स्वर्णाक्षी, चारू, वीरमा राम आदि उपस्थित थे।

विश्नोई का दौरा

जालोर, (कासं)। राज्य के श्रमराज्य मंत्री सुखराम विश्नोई 5 दिसम्बर तक जालोर दौरे पर रहेंगे। जहां वे प्रशासन गावों के संग अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

निर्धारित कार्यक्रमानुसार वे 2 दिसम्बर को सुबह 7.30 बजे जोधपुर से रवाना होकर 11 बजे निम्बाउ पहुचेंगे। वहां से वे क्षेत्र का दौरा करते हुए सांचोर पहुंचेगे। जहां वे रात्रि विश्राम करेगे। 3 दिसम्बर को सुबह 7 बजे जोधपुर से रवाना होकर 11 बजे विरामी पहुंचेगे। वे सांचोर पहुंचेंगे। 4 दिसम्बर को रोहीदो की ढाणी वालेरा में 11 बजे व रिडका चितलवाना में 12.15 बजे प्राथमिक से उच्च प्राथमिक में क्रमोन्नत विद्यालय का शुभारम्भ करेंगे।

बाड़मेर में कृषि व घरेलू विद्युत चोरी पर करीब 5.23 लाख रुपए का जुर्माना

बाड़मेर, (निसं)। विद्युत तंत्र के साथ छेड़छाड़ कर विद्युत चोरी कर निगम को राजस्व का नुकसान पहुंचाने पर विद्युत चोरो के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछले दो दिनों में दो अवैध ट्रांसफॉर्मर जब्त कर 12 जगहों पर विद्युत चोरी पकड़ी एवं संबंधित के खिलाफ करीब 5.23 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया।

जोधपुर डिस्कॉम बाड़मेर के अधीक्षण अभियंता अजय माथुर ने बताया कि मंगलवार को अधिशाषी अभियंता (पवस) जोधपुर डिस्कॉम, गुड़ामालानी भेराराम चौधरी सहित सहायक अभियंता सेडवा, हिमांशु वर्मा एवं विद्युत चोरी निरोधक थाना के साथ मिलकर रंगवाली गांव में गैर उपभोक्ता चैनाराम पुत्र खेराजराम जाट द्वारा खेत में स्थित 11 केवी लाईन में अंकुडिये लगाकर जमीन में खड्डा खोदकर अवैध ट्रांसफॉर्मर छुपाकर एवं उसके उपर झाडिया डालकर विद्युत चोरी करते हुए पाए जाने पर अवैध ट्रांसफॉर्मर जब्त कर उसके खिलाफ 40268 रूपए का जुर्माना लगाया गया।

इसी प्रकार टीम द्वारा संत ज्ञानीराम आदर्श विद्या मंदिर साता में अवैध रूप से अंकुडिये लगाकर विद्युत चोरी करते हुए पाए जाने पर उसके खिलाफ 17 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया।

इसी तरह साता गांव में ही कैलाशदान पुत्र मुरारदान द्वारा अंकुडिये लगाकर विद्युत चोरी करते हुए पाए जाने पर 31 हजार रूपए का जुर्माना गया।

वहीं बायतु में सहायक अभियंता में पाया गया कि काश्तकार चैनराम पुत्र खेराजराम द्वारा 11 केवी लाईन के नीचे जमीन में खड्डा खोदकर उसमें अवैध मॉडिफाईड ट्रांसफॉर्मर छुपाकर रखा गया था। साथ ही किसी को भनक नहीं लगे। इसके लिए उसने ट्रांसफॉर्मर के उपरी हिस्से पर भी झाडिया डालकर

■ गोपनीय सूचना के आधार पर अवैध ट्रांसफार्मर जब्त कर जुर्माना लगाने की कार्रवाई की गई

(पवस) जोधपुर डिस्कॉम बायतु प्रदीप डाडवानी मय टीम ने सोमवार को गंगाराम पुत्र पूराराम जाट निवासी हेमोणियों की ढाणी बाटाडू द्वारा 11 केवी लाईन में अंकुडिये लगाकर अवैध मॉडिफाईड ट्रांसफॉर्मर के जरिए सिंगल फेज सप्लाई को श्री फेज में परिवर्तित कर विद्युत चोरी करते हुए पाए जाने पर सतर्कता जांच की कार्यवाही करते कर उनके खिलाफ 2.50 लाख रूपए जुर्माना लगाया गया।

अधिशाषी अभियंता (पवस) जोधपुर डिस्कॉम, गुड़ामालानी भेराराम चौधरी सहित सहायक अभियंता सेडवा हिमांशु वर्मा एवं विद्युत चोरी निरोधक थाना के साथ मिलकर मंगलवार की शाम करीब 7 बजे गांव रंगवाली, साता में की गई सतर्कता जांच की कार्यवाही रखी थी। लेकिन गोपनीय सूचना के आधार पर डिस्कॉम द्वारा की गई कार्यवाही में टीम ने अवैध ट्रांसफॉर्मर जब्त कर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की गई।अधिशाषी अभियंता (सतर्कता) जोधपुर डिस्कॉम बाड़मेर दुर्गाराम चौधरी मय विद्युत चोरी निरोधक थाना टीम बाड़मेर द्वारा गत सोमवार को धोरीमन्ना क्षेत्र में आठ लोगो के खिलाफ विद्युत चोरी करते हुए पाए जाने पर 1.85 लाख रूपए जुर्माना लगाया गया।

चौधरी ने जांम्भोजी का मंदिर बांछला में पांच स्थानों पर, दुधू खत्रियों की बेरी, लोलो की बेरी, व माणकी में एक-एक स्थान पर विद्युत चोरी करते हुए पाए जाने पर सतर्कता जांच की कार्यवाही करते हुए 1.83 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया।

आबूरोड में ओवरब्रिज निर्माण में आ रही बाधा खत्म हुई

आबूरोड, (निसं)। सिरोही जिले मे आबूरोड के गांधीनगर ओवर ब्रिज के निर्माण में भूमि अवाप्त की कार्यवाही के बाद आखिरकार गांधीनगर ओवरब्रिज का कार्य शुरू हो गया।अब जल्द ही ओवरब्रिज का कार्य पूर्ण हरोकर शहर के लोगो की इसकी सुविधाए प्राप्त होने लगेगी।

उल्लेखनीय है कि 11 नवम्बर को सिरोही राजधराने द्वारा अवाप्त भूमि निर्माण कार्य के लिए पालिका को सुपुर्द करने के साथ ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्य के लिए अवाप्त राशि के भुगतान को लेकर क्षेत्रीय विधायक जगसीराम कोली ने राजस्थान विधानसभा में मामले को उठाया तो वही पालिका अध्यक्ष मगन दान चारण ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य शासन सचिव भवानी सिंह देथा को अवगत करवा करवाया।

उसके बाद कही भूमि अवाप्ति राशि जारी करने के आदेश जारी किए उपखंड अधिकारी आबू पर्वत ने भूमि अवाप्ति की राशि का भुगतान करने के बाद आशीष कंस्ट्रक्शन के मैनेजर अश्विन पटेल द्वारा बुधवार को जेसीबी से भूमि समतल का कार्य चालू किया।

इस मौके पर पूर्व पार्षद जितेंद्र परिहार सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आबूरोड में विश्व एड्स जागरूकता दिवस मनाया

आबूरोड के सेठ मंगलचंद चौधरी राजकीय महाविद्यालय में एड्स जागरूकता दिवस मनाया। फोटो-राष्ट्रदूत

आबूरोड, (निसं)। सेठ मंगलचंद चौधरी राजकीय महाविद्यालय आबूरोड में बुधवार को महाविद्यालय में एड्स जागरूकता दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. विक्रान्त सक्सेना ने एड्स के कारण, एड्स से बचाव के उपाय, उपचार तथा एड्स के सम्बन्ध में फैली हुई भ्रान्तियों पर विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने एड्स से संक्रमित व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि संक्रमित व्यक्ति के साथ भेद-भाव अथवा प्रताड़ना संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य भूराराम ने डॉ. विक्रान्त सक्सेना का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए छात्रों को एड्स माहमारी के प्रति जागरूक रहने का आव्हान किया।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम चन्द ने विद्यार्थियों को एड्स के प्रति सचेत रहने, अपने आस-पास के व्यक्तियों को भी इससे सचेत करने एवं जागरूक रहने का आव्हान किया।

डॉ. अंशुरानी सक्सेना, डॉ. संजय पुरोहित, महेन्द्र देवन्दा, भगवान देव ईनाणी व डॉ. दिनेष चारण उपस्थित रहे। सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हनुमन्त सिंह चौहान ने किया।

जागरूकता दिवस मनाया

आबूरोड के सेठ मंगलचंद चौधरी राजकीय महाविद्यालय में एड्स जागरूकता दिवस मनाया। फोटो-राष्ट्रदूत

कुएं से मोटर चोरी करने का मामला दर्ज

स्वरूपगंज,(निसं)। भारजा स्थित एक कृषि कुएं पर बुधवार को मोटर को क्षतिग्रस्त कर चोरी का मामला आया।

थानाधिकारी देवाराम के अनुसार भारजा हाल स्वरूपगंज निवासी गुलमुलाखॉन पुत्र फजले रहमान जाति मुसलमान ने रिपोर्ट देकर बताया कि भारजा में एक कृषि कुआं है। जिस पर उन्होंने कृषि योजनान्तर्गत, उद्यान विभाग, सिरोही से कृषि अनुदान के रूप में सिंचाई टाटा पॉवर प्रा.लि. के अधीन पानी कि मोटर लगवाई थी। अज्ञात बदमाशों ने 22 नवम्बर की रात्री में टाटा पॉवर प्रा. लि. कम्पनी कि क्षमता 3 किलोवॉट को तोड़फोड़ कर पूर्णतय क्षतिग्रस्त कर दी है।

गुलमुल्ला खान ने कृषि कुएं पर जाकर देखा तो पाया कि भारजा में स्थित कुआ पर टाटा पॉवर लि. कम्पनी कि क्षमता 3 किलोवॉट को तोडफोड कर चोरी कर सामान लेकर फरार हो गए।

एड्स दिवस मनाया

जालोर, (कासं)। नेहरू युवा केन्द्र जालोर एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में बुधवार को विश्व एड्स दिवस पर अल्पसंख्यक छात्रावास मे कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में उपनिदेशक किशनलाल जाट ने कहा कि एड्स का बचाव ही इलाज है। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने आस-पास चेतना तथा जागृति पैदा करे।

उच्च शिक्षा में तबादलों के लिये प्रभावी नीति बनाई जाए : सीएम

कॉलेज व्याख्याताओं के एक हजार और पदों पर भर्ती की मंजूरी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उत्कृष्ट मानव संसाधन तैयार करने की दृष्टि से प्रदेश में युवाओं को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा मिले। इसके लिए अधिकारी ऐसा पुख्ता मैकेनिज्म तैयार करें जिससे सभी कॉलेजों में यूजीसी सहित अन्य मापदंडों की प्रभावी पालना सुनिश्चित हो। उन्होंने कॉलेज व्याख्याताओं के 1 हजार और पदों पर भर्ती की स्वीकृति देने के साथ ही नए कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपए के बजट की मंजूरी भी दी।

गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के करियर निर्माण को ध्यान में रखते हुए हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य में उच्च शिक्षा का स्तर अव्वल दर्जे का हो। उन्होंने कहा कि कॉलेजों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी कॉलेजों की दैनिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा सकती है।

- **नए कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए 200 करोड़ का बजट को भी मंजूर किया**

गहलोत ने निर्देश दिए कि राजकीय कॉलेजों में पढ़ाई की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदोन्नति की कार्यवाही को गति दें। उन्होंने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से कॉलेज शिक्षकों के करीब 1 हजार पदों पर चल रही भर्ती की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने 1 हजार और पदों पर भर्ती की स्वीकृति देते हुए इसकी प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में तबादलों के लिए प्रभावी नीति भी बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए भूमि का आवंटन हो चुका है, उनका निर्माण कार्य दो माह में आवश्यक रूप से शुरू हो। साथ ही शेष कॉलेजों के भूमि आवंटन प्रकरणों की मुख्य सचिव के स्तर पर समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ स्थानों पर नहीं जाना पड़े। इस उद्देश्य से सरकार ने विगत तीन वर्षों में 123 नए राजकीय महाविद्यालय खोले हैं। इन महाविद्यालयों के भवन-निर्माण, विभिन्न पदों पर भर्ती और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में मिशन भावना के साथ काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा प्रभावी सिस्टम विकसित किया जाए कि निजी कॉलेजों में यूजीसी एवं अन्य निर्धारित मापदंड आवश्यक रूप से पूरा होना सुनिश्चित हों। साथ ही इन कॉलेजों में कार्यरत फैकल्टी यूजीसी के नियमों के अनुरूप पात्रता पूर्ण करने वाली हो तथा उन्हें उनकी पात्रता के अनुरूप उचित वेतन सीधे उनके बैंक खातों में मिले।

श्री गहलोत ने महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स एंड सोशल साइंसेज, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय जयपुर तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर के भवन निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू कराए जाने के निर्देश दिए।

कांग्रेस क्या मारपीट को सत्ता चलाने का तरीका मानती है? : शेखावत

जयपुर। भरतपुर में गरीब ठेलेवाले की नगर निगम कर्मियों द्वारा पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूछा कि कांग्रेस क्या मारपीट को सत्ता चलाने का तरीका मानती है?

शेखावत ने कहा कि राजस्थान की सत्ता का सच दिखाता एक और वीडियो सामने आया है। भरतपुर में एक गरीब ठेलेवाले को नगर निगम कर्मी पीट रहे हैं। वहां निगम पर कांग्रेस का कब्जा है। अत: बताने की जरूरत नहीं, गरीब को मारने-पीटने की छूट कहां से मिली है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब कांग्रेस कहेगी वीडियो दिखाकर राजनीति की जा रही है। मैं जानना चाहता हूं कि एक गरीब आदमी से अमानवीयता को गलत बताना यदि राजनीति है तो फिर कांग्रेस क्या मारपीट को सत्ता चलाने का तरीका मानती है? क्या गहलोत सरकार के कायदे हिंसा से समझाए जाते हैं?

अशोक गहलोत झूठों के सरदार हैं : सतीश पूनिया

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मंत्रिमंडल के पुनर्गठन के बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने पलटवार किया है। भाजपा मुख्यालय पर पूनिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अशोक गहलोत झूठों के सरदार हैं। गहलोत और कांग्रेस पार्टी दोनों भी अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रही है। तीन साल बाद जिस शक्ल में मंत्रिमंडल का पुनर्गठन हुआ है और उसके बाद दयाराम परमार, भरत सिंह जैसे विधायक उस पर सवाल उठा रहे हैं। इससे साफ है कि अब कोई भी नेता मुख्यमंत्री की बात पर विश्वास नहीं करेगा।

पूनिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी वर्तमान में सभी कार्यक्रम 2023 के चुनाव को परिप्रेक्ष्य में रखकर कर रही है। ऐसे में शाह का संबोधन उसे और मजबूती देगा। पूनिया ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक दोनों दिन तीन-तीन सत्रों में होगी। इस बैठक में सभी विधायक और सांसदों को भी बुलाया गया है। समापन सत्र को अमित शाह संबोधित करेंगे। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संबोधन सोशल मीडिया के जरिये लाइव किया जाएगा। ताकि प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ता उनके संबोधन को सुन सके।

गृहमंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में रंग-रोगन कराया जा रहा है।

14 महिला-पुरुषों को जयपुर फुट केन्द्र में कृत्रिम पैर और कैलीपर्स लगाये

नेपाल के बांके जिले के कोहालपुर कस्बे से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में आये 14 महिला और पुरूषों का बुधवार को कृत्रिम पैर और कैलीपर्स आदि लगाकर पुर्नवास किया गया।

जयपुर, (कासं)। नेपाल के 14 महिला और पुरूषों का बुधवार को जयपुर फुट केन्द्र में कृत्रिम पैर और कैलीपर्स आदि लगाकर पुर्नवास किया गया। यह विकलांग नेपाल के बांके जिले के कोहालपुर कस्बे से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में नि:शुल्क कृत्रिम पैर और कैलिपर्स लगवाने के लिए विशेष तौर पर आए हैं।

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि जिन 14 नेपालियों को पुर्नवास किया गया उसमें ऐसे लोग थे जो वर्षो से कृत्रिम पैर और पोलियों पुर्नवास उपकरण के अभाव में कष्ट मय जीवन व्यतीत कर रहे थे।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि नेपाल में ऐसे सैकडों लोग जो जयपुर फुट चाहते हैं के लिए नेपाल विभिन्न शहरों में शिविर लगाकर उनका पुर्नवास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेपाल से जो जयपुर आकर कृत्रिम पैर लगवाना चाहते हैं वह भी समूह के रूप में आकर नि:शुल्क सेवा ले सकते हैं।

भाजपा में प्रत्याशी चयन को लेकर बैठकों का दौर जारी

जयपुर। भाजपा मुख्यालय पर बुधवार को पंचायत चुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर बैठकों का दौर जारी है। माना जा रहा है कि आज या कल तक सभी जगहों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। प्रदेश मुख्यालय पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और राष्ट्रीय मंत्री हल्का गुर्जर सहित कई नेताओं के बीच टिकट चयन को लेकर चर्चा हुई।

इस दौरान राजेंद्र राठौड़ ने सरकार पर पंचायती राज संस्थाओं को पंगु बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 18 महीनों से लगातार पंचायती राज के चुनाव हो रहे हैं। राज्य वित्त आयोग के गठन में भी सरकार ने डेढ़ साल का समय लगा दिया। यही नहीं छठे वित्त आयोग से एक भी पैसा पंचायतों को नहीं मिला है। पंचायतों के लगातार चुनाव चल रहे हैं। चुनाव को कई टुकड़ों में चलाकर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके सरकार अपने हुए जनाधार को पाना चाहती है। भाजपा पूरे दमखम के साथ लड़ेगी और इन सारे विषयों को पंचायत चुनाव में जनता के समक्ष रखा जाएगा। राठौड़ ने कहा कि जल्द ही प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी।

प्रदेश में उन जिलों की संख्या बढ़ी जहां नए करोना संक्रमित मिल रहे हैं

राज्य में पहले 4 से 5 जिलों में नए संक्रमित मिल रहे थे, लेकिन अब इनकी संख्या 9 तक पहुंच गई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसके चलते बुधवार को 9 जिलों में 21 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 10 रोगी जयपुर में पाए गए हैं। वहीं राज्य में एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के पार हो गए हैं। इस बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में करोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की आशंका के मद्देनजर केन्द्र सरकार से बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला करने की अपील की हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी और वृद्वि के बाद 21 नए करोना संक्रमित सामने आए है। इससे पहले मंगलवार को 15 मरीज मिले थे।

वहीं आज सबसे ज्यादा 10 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा अलवर, जोधपुर व नागौर में 2-2, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, भीलवाड़ा और सीकर में 1-1 नया रोगी मिला है। इस बीच राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 3 नए मरीज विद्याधर नगर इलाके में पाए गए हैं। वहीं आदर्श नगर व जगतपुरा में 2-2 और मुरलीपुरा, टोंक फाटक तथा विराट नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में आज मिले संक्रमितों में दो निजी स्कूल के बच्चे भी शामिल है। इनमें एक छात्रा पिछले 10 दिनों से स्कूल नहीं जा रही थी और ऑनलाइन ही पढ़ाई कर रही थी।

इस बच्ची के परिवार में कुछ दिन पहले एक सदस्य संक्रमित मिला था, जिसके बाद आज बच्ची भी पॉजिटिव मिली है। बच्ची में करोना के हल्के लक्षण है। वहीं पॉजिटिव मिला दूसरा बच्चा ढहर के बालाजी स्थित एक निजी स्कूली में पढ़ता है। वह भी पिछले एक सप्ताह से स्कूल नहीं जा रहा था।

राज्य के 24 जिलों में करोना का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया। इनमें 18 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में बुधवार को 11 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 9 लाख 45 हजार 648 लोग स्वस्थ हो चुके है। बुधवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में फिर रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 203 हो गए हैं।

इनमें सबसे ज्यादा 115 मामले जयपुर में तथा 23 केस अजमेर में हैं। इसके अलावा 14 जिले अलवर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, दौसा, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद, सीकर और उदयपुर में 20 से कम एक्टिव केस हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि इस बीमारी से अब तक 8955 लोगों मौत हो चुकी है।

उधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र सरकार से बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला करने की अपील की हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि केन्द्र सरकार बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला लें जिससे कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा सके।

लंबे इंतजार के बाद राजस्थान में 13 कांग्रेस जिलाध्यक्ष घोषित

जयपुर, (का.प्र.)। 16 महीनों के इंतजार के बाद आखिर बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के 13 जिला अध्यक्ष घोषित कर दिए हैं। इस घोषणा में राजधानी जयपुर, कोटा और अजमेर जैसे महत्वपूर्ण जिले बकाया रखे गए हैं। वहीं टोंक जिला अध्यक्ष भी अभी तक घोषित नहीं किया गया है जिन 13 जिलों के अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। उनमें से बीकानेर, दौसा, जोधपुर देहात, बाड़मेर और नागौर के जिला अध्यक्षों को रिपीट किया गया है। वहीं अलवर के कार्यकारी जिलाध्यक्ष को अब पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया है।

इसके साथ ही डोटासरा की टीम में तीन नए सदस्य भी शामिल किए गए हैं। सीताराम अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है तो वहीं आरसी. चौधरी और स्वर्णिम चतुर्वेदी को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है।

जिला अध्यक्षों में अलवर में योगेश मिश्रा, बारां में रामचरण मीणा, बाड़मेर में फतेह खान, बीकानेर में यशपाल गहलोत, दौसा में रामजीलाल ओढ, राजसमंद में हरि सिंह राठौड़, सीकर में सुनीता गिठाला को घोषित किया गया है।

भारत जूनियर विश्व कप हॉकी के सेमीफाइनल में

भुवनेश्वर, 01 दिसम्बर। गत चैंपियन भारत ने बेल्जियम की कड़ी चुनौती पर बुधवार को 1-0 से काबू करते हुए जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

पहला क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद मैच का एकमात्र महत्वपूर्ण गोल शारदानंद तिवारी ने 21वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर किया और इस बढ़त को अंत तक बरकरार रखा।

मुकाबला काफी कड़ा रहा और दोनों टीमों ने जीत हासिल करने के लिए अपना सबकुछ दांव पर झोंक दिया। मैच में संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे क्वार्टर के गोल को छोड़कर दोनों टीमें बाकी तीन क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकीं।

भारत का सेमीफाइनल में तीन दिसम्बर को जर्मनी के साथ मुकाबला होगा जिसने एक अन्य क्वार्टरफाइनल में स्पिन के खिलाफ निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से जीत हासिल की।

तीन दिसम्बर को ही पहला सेमीफाइनल फ़्रांस और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। फ़्रांस ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया को 4-0 से और अर्जेंटीना ने हॉलैंड को 2-1 से पराजित किया।

टिमोथी की हैट्रिक से फ़्रांस सेमीफाइनल में

भुवनेश्वर, 01 दिसम्बर। कप्तान टिमोथी क्लेमेंट की शानदार हैट्रिक की बदौलत फ़्रांस ने मलेशिया को बुधवार को 4-0 से पराजित कर जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यहां कलिंगा स्टेडियम में खेले गए तीसरे क्वार्टरफाइनल में फ़्रांस ने पूरे समय मलेशिया पर अपना दबदबा बनाये रखा। फ़्रांस ने अपने चारों गोल पेनल्टी कार्नर पर दागे। क्लेमेंट ने 14वें ,24वें और 60वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। टीम का एक अन्य गोल माथिस क्लेमेंट ने पेनल्टी कार्नर पर 31वें मिनट में किया। मलेशिया की टीम अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद कोई गोल नहीं कर सकी।

ऑलराउंडरों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंचे जाडेजा

सात विकेट लेने वाले आफरीदी इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबादा और न्यूज़ीलैंड के नील वैगनर को पीछे छोड़ते हुए पांचवें स्थान पर पहुंचे

दुबई, 01 दिसम्बर। ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में भारत के रवींद्र जडेजा एक स्थान उठकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे अब केवल वेस्टइंडीज़ के जेसन होल्डर हैं। जाडेजा ने न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ कानपुर में ड्रा रहे पहले टेस्ट में अर्धशतक लगाया था और साथ ही पांच विकेट भी लिए थे।

गेंदबाज़ों की रैंकिंग में जाडेजा 19वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं,बंगलादेश के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को आठ विकेट से जीत दिलाने वाले शाहीन शाह आफ़रीदी पहली बार आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं। इस मैच में सात विकेट लेने वाले आफरीदी इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबादा और न्यूज़ीलैंड के नील वैगनर को पीछे छोड़ते हुए पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आफ़रीदी ने जिन तीन खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है, उनमें दोबारा आगे निकलने का मौक़ा है। वैगनर अगर भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलते हैं तो उनके पास यह मौक़ा होगा। वहीं एंडरसन अगले सप्ताह से शुरू हो रही एशेज़ सीरीज़ में आगे निकल सकते हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के रबादा भारत के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू सीरीज़ में फिर से आगे बढ़ सकते हैं। वहीं आफरीदी के साथ हसन अली पांच स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हसन ने बंगलादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी में पांच विकेट समेत कुल सात विकेट लिए थे। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले काइल जेमीसन नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं टिम साउदी दूसरे स्थान पर मौजूद रविचंद्रन अश्विन से बस एक रेटिंग अंक पीछे रहते हुए तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नए कप्तान पैट कमिंस गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। बल्लेबाज़ों में टॉम लाथम और दिमुथ करुणारत्ने ने कानपुर टेस्ट और गॉल टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करके रैंकिंग में सुधार किया है। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 95 और 52 रनों की पारी की बदौलत लाथम पांच स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

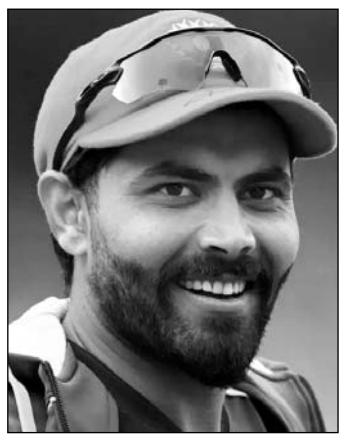

अचिवर्स ने वेग्नस को 8-6 से हराया

जयपुर 01 दिसम्बर। विमल एरियोन अचिवर्स ने भावनगर पोलो ट्रॉपी में डॉर्स एण्ड वेग्नस को 8-6 से हरा दिया।

अचिवर्स के लिए डेनियस ओरामेगि ने तीन, पदमनाम सिंह ने दो, कुलदीप सिंह, अशोक चांदन और लोकेन्द्र ने एक-एक गोल किया। हौर्स एण्ड बेग्नस के लिए धुवपाल गोदारा के तिकडी सहित पांच जने सिर्द्धात शर्मा न एक गोल किया।

शूटआउट में स्पेन को 3-1 से हरा कर जर्मनी सेमीफाइनल में

भुवनेश्वर, 01 दिसंबर। छह बार की विश्व विजेता जर्मनी की जूनियर पुरुष हॉकी टीम बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन को शूटआउट में 3-1 से हरा कर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई। भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में सुबह 10.30 बजे खेला गया पहला क्वार्टर फाइनल मैच काफी रोमांचक और 2-2 से बराबर रहा, लेकिन जर्मनी ने शूटआउट में स्पेन से आगे निकल कर बाजी मार ली। मैच ड्रॉ होने के बाद हुए शूटआउट में जर्मनी ने तीन गोल दागे, जबकि स्पेन महज एक ही गोल कर पाया। दोनों टीमों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन जर्मनी पांचवें मिनट में गोल दाग कर 1-0 की बढ़त लेने में कामयाब रहा। क्रिस्टोफर कुटर ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए यह गोल दागा, हालांकि इसके कुछ ही मिनटों बाद स्पेन ने गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इग्नासिओ अबाजो ने 11वें मिनट में यह गोल किया। इसके बाद दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और तीसरे क्वार्टर तक गोल नहीं करने दिया। चौथा क्वार्टर भी गोल रहित जाता हुआ दिख रहा था, लेकिन स्पेन के एडवार्ड दे इग्नैशियो-सिमो ने 59वें और जर्मनी के मैसी फैंड्ट के 60वें मिनट में गोल दागा।

अर्जेंटीना ने हॉलैंड को 2-1 से हरा कर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

भुवनेश्वर, 01 दिसंबर। अर्जेंटीनियाई जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हॉलैंड (नीदरलैंड) को 2-1 से हरा कर यहां जारी एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

कलिंग स्टेडियम में बुधवार दोपहर को खेला गया यह दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। दोनों का डिफेंस शानदार रहा, जिसकी बदौलत पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। दूसरे क्वार्टर में भी एक समय पर गोल की कोई उम्मीद नहीं लग रही थी, लेकिन जोकिन क्रूगर ने 24वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दाग कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। हॉलैंड भी हालांकि पीछे नहीं रहा और 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिसे माइल्स बुकेन्स ने गोल में तब्दील करने में चूक नहीं की। इसी के साथ दूसरे क्वार्टर का खेल 1-1 के स्कोर पर समापत हुआ। इसके बाद दोनों टीमों के बीच और कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दोनों ने एक-दूसरे के डिफेंस को भेदने और गोल दागने की कई कोशिशें की, लेकिन दोनों ने ही एक-दूसरे को कामयाब नहीं होने दिया। तीसरा क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद चौथा और अंतिम क्वार्टर गोल रहित और मैच ड्रॉ होता लग रहा था।

'एक-दो मैचों में लय पा जाएंगे इशांत'

मुंबई, 01 दिसम्बर। अपने करियर के दौरान इशांत शर्मा ने बहुत सुधार किया है। अपने करियर के पहले चरण में उनका औसत 38.44 था, जो कि दूसरे चरण में सुधर कर 27.21 हो गया है। पिछले 33 टेस्ट में उनका औसत 22.90 का रहा है, वहीं पिछले 18 टेस्ट में उन्होंने सिर्फ़ 19.14 की औसत से विकेट लिए हैं।

कतर ने फीफा अरब कप के उद्घाटन दिवस पर किया दो विश्व कप स्टेडियमों का उद्घाटन

कतर, 01 दिसम्बर। कतर ने फीफा अरब कप 2021 के उद्घाटन के दिन दो फीफा विश्व कप 2022 स्टेडियम अल बेयत और 974 का उद्घाटन किया।

पुरातनकाल में खाड़ी क्षेत्र में खानाबदोश लोगों द्वारा उपयोग में लिए जाने वाले तंबू से मिलते-जुलते 60,000 सीटों वाले स्टेडियम अल बेयत ने बहरीन के खिलाफ कतर की 1-0 से जीत की मेजबानी की। स्टेडियम एक साल के अंदर होने वाले कतर 2022 विश्व कप के उद्घाटन मैच की भी मेजबानी करेगा।

अल बेयत के उद्घाटन में कतर के हिज हाइनेस अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने भाग लिया, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत की घोषणा की।

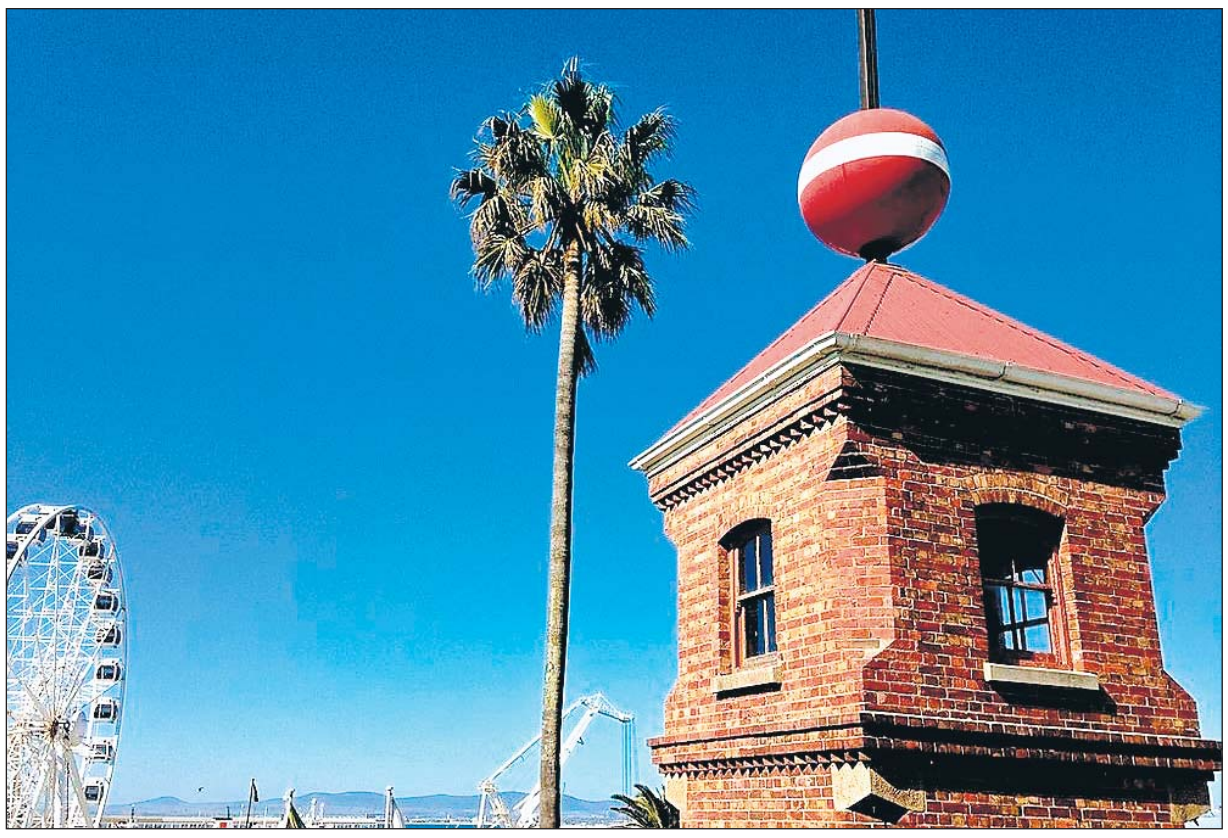

हर दिन दोपहर में एक बजने में जब पांच मिनट होते हैं तब लंदन में ग्रीनविच की ओल्ड आब्ज़र्वेटरी के फ्लैमस्टीड हाउस की छत पर लगी शोख नारंगी रंग की एक बॉल खंभे पर आधी नीचे आ जाती है, एक बजने में जब दो मिनट होते हैं तब यह ऊपर चली जाती है और ठीक एक बजे एकदम नीचे आ जाती है। जो भी इसे देख रहा होता है वह अपनी घड़ी का समय मिला सकता है। हालांकि आज के युग में तो सटीक समय जानने के लिए इन्टरनैट और जी.पी.एस. के अलावा कई तकनीक उपलब्ध हैं, पर विक्टोरियन काल में ''टाइम बॉल्स'' से ही समय जाना जाता था। उससे पहले तक लोग समय जानने के लिए चर्च के घंटों पर निर्भर रहते थे, पर वो एकदम सटीक समय नहीं बताते थे। हालांकि उस समय लोगों को सही समय जानने की इतनी जरूरत भी नहीं थी। सिर्फ पानी के जहाजों के कप्तानों को सही समय जानने की जरूरत होती थी। टाइम बॉल्स का विचार सबसे पहले रॉबर्ट वॉहोप ने प्रस्तावित किया था, जो यू.के. की नौसेना में कैप्टन था। रॉबर्ट ने बंदरगाहों पर टाइम बॉल लगाने का सुझाव दिया था ताकि सही समय का संकेत मिल सके। नाविक टैलिस्कोप से बॉल को देखकर जहाज का क्रोनोमीटर सैट कर सकते थे। पहली टाइम बॉल इंग्लैण्ड के पोर्ट्समाउथ बंदरगाह पर लगाई गई थी। यह इतनी सफल हुई कि, 1833 में, पहाड़ी पर बनी ग्रीनविच ऑब्ज़र्वेटरी में एक और टाइम बॉल लगाई गई जिसे आज भी देखा जा सकता है। अमेरिका में 1845 में यूनाइटेड स्टेट्स नेवल ऑब्ज़र्वेटरी, वॉशिंगटन, में पहली टाइम बॉल लगाई गई। ये टाइम बॉल्स प्रायः दिन में एक बजे खंभे पर नीचे गिरती थीं लेकिन अमेरिका में दिन में बारह बजे। समझा जाता है कि, बॉल ऑपरेट करने वाले एस्ट्रोनॉमर्स की वजह से दिन के बारह बजे की बजाय एक बजे का समय चुना गया। क्योंकि दोपहर 12 बजे सूर्य अपने चरम पर होता है और उस समय एस्ट्रोनॉमर्स बहुत व्यस्त होते हैं। दुनियाभर में बंदरगाहों पर आज भी 60 टाइम बॉल्स लगी हुई हैं, इनमें से कुछ काम भी कर रही हैं।

भाजपा का अकाली दल को भारी झटका

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं अकाली दल के वरिष्ठ नेता मनजिंदर सिंह सिरसा भाजपा में शामिल हुये

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। शिरोमणि अकाली दल के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। इससे अकाली दल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पंजाब में अगले साल होने वाले चुनाव को देखते हुए यह बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सिरसा ने पंजाब चुनाव से पहले पार्टी बदलने के बाद कहा, देश भर में सिख समुदाय से संबंधित कई मुद्दे हैं और इन्हें केवल सरकार ही हल कर सकती है। मैंने हमेशा इन मुद्दों को उठाया है। मैंने आज गृह मंत्री अमित शाहजी के साथ समुदाय के कुछ मुद्दों पर चर्चा की। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मंत्री ने कहा कि वह इन सभी मुद्दों को संबोधित करना चाहते हैं।

पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन से दो बार के पूर्व विधायक सिरसा केंद्रीय मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत और धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। सिरसा ने बुधवार को भाजपा में शामिल होने से पहले डीएसजीएमसी के जनरल हाउस के सभी सदस्यों के समक्ष अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। उन्होंने इसके अलावा डीएसजीएमसी के आगामी आंतरिक चुनाव भी न लड़ने का एलान किया।

पंजाब के चुनाव प्रभारी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, उत्तर भारत की राजनीति में सिख चेहरों में जो चेहरा दिमाग में आता है, वह सिरसा का है। भाजपा परिवार में इनका स्वागत है। पंजाब चुनाव में पार्टी को इसका लाभ होगा।

सिरसा के इस कदम से न केवल राष्ट्रीय स्तर की राजनीति, बल्कि दिल्ली की सिख राजनीति में भी हलचल है। इस पर शिअद के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं डीएसजीएमसी के महासचिव हरमीत सिंह कालका ने यूनीवार्ता से कहा, पार्टी के साथ गलत किया गया है।

यह सिरसा ही बता सकते हैं कि उन्होंने किसके दबाव में यह कदम उठाया है। जब सरकारों का हस्तक्षेप शुरू होता है तब ऐसी चीजें होती हैं। उन्होंने मेरे जरिए जनरल हाउस को इस्तीफा सौंपा है जो कानूनी रूप से मान्य करोना है, क्योंकि इस्तीफा जनरल हाउस में सौंपा जाता है, जिसे बुलाने की अभी पावर करोना है।

- **भाजपा में शामिल होने से पहले सिरसा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।**
- **पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन से दो बार के पूर्व विधायक सिरसा केंद्रीय मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत और धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की।**

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिसंबर को जब संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और अजय माकन जयपुर आएंगे, तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ स्थानों का जायजा लेंगे।

उसके बाद तय होगा कि यह रैली किस जगह होगी। अब यह रैली राजस्थान की राजधानी जयपुर में होने के कारण राजस्थान पर अतिरिक्त भीड़ इकट्ठी करने का भी दबाव भी आ गया है।

फोन टैपिंग मामले में गहलोत के ओ.एस.डी.को फिर तलब किया गया

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। दिल्ली पुलिस ने फोन टैपिंग मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को पूछताछ के लिए तलब किया है।

केंद्र सरकार में जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर लोकेश शर्मा समेत अन्य पर फोन टैपिंग मामले में केस दर्ज किया गया था। इस मुकदमे के खिलाफ लोकेश शर्मा दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे थे। कोर्ट ने लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर 13 जनवरी तक रोक लगा दी थी।

जुलाई 2020 में सचिन पायलट खेमे ने मुख्यमंत्रीगहलोत के खिलाफ बगावत कर दी थी। इसके बाद गहलोत सरकार ने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाए थे। इसको लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का एक कथित टेप भी वायरल किया गया था। आरोप लगाया गया था कि वह कांग्रेस विधायक भंवरलाल शर्मा के साथ सौदेबाजी कर रहे हैं। हालांकि, बाद में यह मुद्दा शांत हो गया, लेकिन मार्च में भाजपा विधायक की ओर से पूछे गए एक सवाल में सरकार ने खुद माना कि उन्होंने विधिक प्रक्रिया अपनाकर कुछ खास लोगों के फोन टैप करवाए थे। इसके बाद काफी बवाल मचा और विधानसभा में भी इस पर काफी हंगामा हुआ था।

- **दिल्ली पुलिस पहले भी दो से तीन बार पूछताछ के लिए ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा को बुला चुकी है।**
- **केंद्र सरकार में जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर लोकेश शर्मा समेत अन्य पर फोन टैपिंग मामले में केस दर्ज किया गया था।**

अमेरिका में गोलीबारी में तीन छात्रों की मौत

वाशिंगटन, 1 दिसंबर (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका के मिशिगन में डेट्रायट के पास एक हाई स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना में तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। ओकलैंड काउंटी अंडरशेरिफ माइकल मैककेबे ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण की बात है कि मुझे यह रिपोर्ट देनी पड़ रही है कि अभी हमारे पास तीन मृतक हैं, ये सभी छात्र हैं।

उन्होंने बताया कि गोलीबारी करने वाला व्यक्ति हाई स्कूल का 15 वर्षीय छात्र है और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

गोलीबारी करने के पीछे का मकसद अभी पता करोना चल पाया है।

ग्यारह देशों से आये यात्रियों में छह कोविड संक्रमित पाये गये

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (वार्ता)। सरकार ने कहा है कि कोविड के मद्देनजर जोखिम वाले देशों से आये 3476 यात्रियों में से छह कोविड संक्रमित पायें गये हैं और उनके नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिये भेजे गये है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि ओमिक्रोन के मद्देनजर सरकार पूरी सावधानी बरत रही है और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कड़ी निगरानी की जा रही है। कोविड के मद्देनजर जोखिम वाले देशों से 11 उड़ानें भारत आयी हैं और इनमें 3476 लोग आयें हैं। इनमें छह व्यक्ति कोविड संक्रमित पाये गये हैं। इनके नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिये भेज दिये गये हैं। करोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से निपटने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत कंपनी ने कोविशील्ड का बूस्टर डोज बनाने और करोना के नए वैरिएंट से आपात स्थिति में निपटने के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से मंजूरी मांगी है। यह जानकारी सीरम इंस्टीट्यूट के अधिकारियों ने दी।

सीरम इंस्टीट्यूट में गवर्नमेंट एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को आवेदन पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि यूके मेडिसिन एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी ने एस्ट्राजेनेका की बूस्टर डोज को पहले ही मंजूरी दे दी है। प्रकाश सिंह ने बताया कि दुनिया लगातार करोना महामारी से जूझ रही है। ऐसे में कई देशों ने कोविड-19 वैक्सीन से निपटने के लिए बूस्टर डोज लगानी शुरू कर दी है।

- **कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट की आशंका के चलते इन यात्रियों के सैम्पल्स जीनोम सीक्वेंसिंग जांच के लिये भेजे गये।**
- **वहीं दूसरी ओर एक राहत भरी खबर है कि, सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने नये ओमिक्रॉन वैरिएंट के खिलाफ कारगर कोविशील्ड वैक्सीन की नई बूस्टर डोज़ तैयार करने के लिए ड्रग कन्ट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से इजाजत मांगी है।**

कश्मीर में मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 1 दिसंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक स्थानीय कमांडर और एक विदेशी आतंकवादी मारा गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर संगठन के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने का काम भी करता था।

पुलिस ने जैश कमांडर यासिर पारे और विदेशी आतंकवादी फुरकान के मारे जाने को एक 'बड़ी सफलता' बताया है। उन्होंने बताया कि पुलवामा के कसबयार गांव में उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की एक टीम ने आतंकवादियों की उपस्थिति की खुफिया सूचना मिलने के बाद इलाके में तलाश अभियान शुरू किया।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 101 रु. महंगा हुआ

इस बढ़ोतरी के बाद 19 किलो. का कमर्शियल गैस सिलेंडर 2101 रु. का हो गया है

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में 101 रुपये की बढोतरी की गयी है। अब 19 किलोग्राम वाले इस सिलेंडर की कीमत 2101 रुपये हो गयी है।

रसोई गैस सिलेंडर को दो श्रेणी में रखा गया है। पहला सब्सिडी प्राप्त और दूसरे गैर सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर को इन दोनों श्रेणी से बाहर रखा गया है और तेल विपणन कंपनियां इसकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुरूप तय करती है।

तेल विपणन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के अनुसार राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत अभी 2101 रुपये है। कांग्रेस ने कामर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 101 रुपए की बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर आज तीखा हमला किया और कहा कि यह सरकार बराबर जनता की जेब काटने में लगी है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार इस पर नियंत्रण करने के लिए कोई कदम करोना उठा रही है। उन्होंने तंज किया कि महंगाई से लोगों को राहत देने में नाकाम मोदी सरकार के जुमले जरूर कम हो गये हैं।

गांधी ने कहा कि कामर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 100 रुपये से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जुमलेबाज भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई है, तब से महंगाई बेलगाम होती जा रही है। उन्होंने ट्वीट किया, जैसे-जैसे महंगाई बढ़ी, जुमलों के भाव गिर गए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, अब कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 101 रुपए महँगा। लगता है, शादी के सीज़न में भाजपा सरकार लोगों की ज़िंदगी में रोज़ महंगाई का तड़का लगा रही है।

- **कांग्रेस ने इस मामले कहा कि, यह सरकार बराबर जनता की जेब काटने में लगी है।**
- **कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि, महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार इस पर नियंत्रण करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने तंज किया कि, महंगाई से लोगों को राहत देने में नाकामी के बाद मोदी सरकार के जुमले जरूर कम हो गये हैं।**

'ज्योतिबा फुले को भारत रत्न'

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में आरपीआई के लिए आठ से 10 सीटों की मांग की है।

आठवले ने संसद भवन में बुधवार को अमित शाह से भेंट की। इसके अलावा आठवले ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं अन्नाभाऊ साठे को मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग भी की। अन्नाभाऊ साठे मराठी साहित्य व कला-जगत के शिखर पुरुष, समाज सुधारक एवं क्रांतिकारी कवि थे। वहीं महात्मा ज्योतिबा फुले भी प्रसिद्ध समाज सुधारक, समाजसेवी, लेखक व दार्शनिक थे। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों के अधिकारों व उन्हें न्याय दिलाने के लिए आरपीआई निरन्तर संघर्ष कर रही है।

निर्यात में वृद्धि

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (वार्ता)। देश का वाणिज्यिक निर्यात इस वर्ष नवंबर महीने में सालाना आधार पर 26.49 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 29.88 अरब डालर रहा।

पिछले वर्ष इसी दौरान निर्यात 23.62 अरब डालर और नवंबर 2019 में 15.93 अरब डालर के बराबर था। नवंबर 1919 की तुलना में नवंबर 2021 में निर्यात वृद्धि 15.93 प्रतिशत है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीने अप्रैल-नवंबर 2021 में कुल वाणिज्यिक निर्याता 262.46 अरब डालर रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 174.15 अरब डालर की तुलना में 50.71 प्रतिशत अधिक है।

अप्रैल-नवंबर 2019 भारत का वाणिज्यिक निर्यात इस अवधि में 211.17 अरब डालर था। उसकी तुलना में इस वर्ष निर्यात वृद्धि 24.29 प्रतिशत है।

इस वर्ष नवंबर में आयात सालाना आधार पर 57.18 प्रतिशत बढकर 53.15 अरब डलर रहा। पिछले साल नवंबर में आयात 33.81 डालर था। इसी तरह इस वर्ष अप्रैल-नवंबर के आठ माह में आयात 384.44 अरब डालर रहा जो पिछले वर्ष के 219.19 अरब डालर की तुलना में 75.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

नवंबर में व्यापार घाटा 23.27 अरब डालर रहा जबकि अप्रैल-नवंबर 2021 की अवधि में व्यापार घाटा 121.98 अरब डालर रहा।

- **नवम्बर में भारत के निर्यात में 26.49 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई।**

'हम भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विपक्ष खड़ा करने के प्रयास में जुटे हैं'

शरद पवार ने ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद यह बात कही

मुंबई, 1 दिसम्बर (वार्ता)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केन्द्र में सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ वैकल्पिक विपक्ष देने का प्रयास किया जायेगा।

पवार के आवास सिल्वर ओक में बनर्जी और पवार के बीच आज अपराह्न लगभग एक घंटे तक बैठक चली और उसके बाद दोनों नेताओं ने संवाददाताओं को यह संयुक्त बयान दिया। पवार ने कहा कि बनर्जी के साथ उनके लंबे समय राजनीतिक संबंध रहे हैं।

बनर्जी आधिकारिक दौरे पर मुंबई आयी हैं और आज दोपहर बाद उन्होंने वाई बी चव्हाण केंद्र में शीर्ष उद्योगपतियों के साथ बैठक की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में निवेश करने के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित किया।

उन्होंने कहा, देश की मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमने राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की, हम वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ने का वैकल्पिक विकल्प कैसे दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक पार्टी भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी, वे उसका समर्थन करेंगे। इस अवसर पर बनर्जी ने कहा कि वह देश भर में दौरा कर रही हैं ताकि भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए एक मजबूत विपक्ष को एक मंच पर लाया जा सके। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के बारे में उन्होंने कहा कि संप्रग कहां है, संप्रग करोना है, इसलिए हम विपक्षी दलों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं, भाजपा के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ऐसा करोना कर सकता, इसलिए हमें एक साथ आने की जरूरत है। बैठक में बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, प्रशांत किशोर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता जितेन्द्र अवाड और नवाब मलिक भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को कहा कि भाजपा देश के संविधान और लोकतंत्र के लिए खतरा है, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी लगातार भाजपा के तानाशाही रवैये के खिलाफ लड़ रही है। उन्होंने कहा कि देश व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण है और भाजपा के खिलाफ अहंकार को अलग रखकर एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नाना पटोले ने कहा कि भाजपा सत्ता, धन और सभी स्वायत्त संस्थानों का दुरुपयोग कर देश के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के तानाशाही रवैये के खिलाफ कांग्रेस लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे हैं। गांधी ने भूमि अधिग्रहण कानून और तीन काले कृषि कानूनों के मुद्दे पर किसानों के साथ मजबूती से खड़े होकर मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

- **शरद पवार ने कहा, देश की मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमने राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की, हम वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ने का वैकल्पिक विकल्प कैसे दे सकते हैं।**
- **उन्होंने कहा कि, जो भी राजनीतिक पार्टी भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी, वे उसका समर्थन करेंगे।**
- **पवार ने कहा कि, ममता बनर्जी के साथ उनके लंबे समय से राजनीतिक संबंध रहे हैं।**

मुआवजा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखती है। मंत्री की प्रतिक्रिया में कहा गया कि मंत्रालय के पास मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं है, अत: मुआवजा दिए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता। आंदोलन समाप्त करने के लिए मुआवजा देने की किसानों की एक मांग थी और कहा गया था कि मांगे मानने के बाद ही आंदोलन समाप्त किया जाएगा। दिल्ली की सीमाओं पर विरोध-प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार वर्ष भर चले आंदोलन में करीब 700 किसानों की मौत हुई। तिवारी अपने प्रश्न में यह जानना चाहते थे कि क्या प्रत्येक मृत किसान के परिवार को 5 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

यूपी पेपर लीक मामले में परीक्षा नियंत्रक सहित तीन लोग गिरफ्तार

लखनऊ, 1 दिसम्बर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में टीचर्स एलिजबिलिटी टैस्ट - 2021 (यूपी-टी.ई.टी.) का पेपर लीक होने के बाद विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, सचिव संजय कुमार उपाध्याय सहित तीन लोगों को इस मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि, इस मामले में अब तक कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में किसी भी संदिग्ध को छोड़ा नही जाएगा।

एसटीएफ के अपर महानिदेशक अमिताभ यश ने बताया कि पैसे लेकर पेपर आउट कराने वाले गिरोह के सदस्य टप्पल निवासी गौरव कुमार को भी इस मामले में उत्तरप्रदेश के अलीगढ से एसटीएफ ने गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा यूपी एसटीएफ ने प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी आर.एस.एम. फिनसर्व लिमिटेड के निदेशक राय अनूप प्रसाद को भी गिरफ्तार किया है।

इस एजेंसी को प्रश्न पत्र छापने का वर्क आर्डर संजय उपाध्याय ने जारी किया था। प्रश्न पत्र की छपाई के दौरान गोपनीयता एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गयी, जिसकी वजह से पेपर आउट हो गया और परीक्षा रद्द करनी पड़ी।

उल्लेखनीय है कि, बीते माह 28 नवंबर को उत्तरप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) दो पालियों में आयोजित की गई थी। लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रदेश के गाजियाबाद, मथुरा और बुलंदशहर से सोशल मीडिया पर पेपर आउट हो गया। जिसके कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। अभ्यर्थियों से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी गौरव कुमार ने कई अभ्यर्थियों से दो-दो लाख रुपये लेकर टीईटी का पेपर बेचकर मोटी रकम वसूला था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले के सख्ती से जांच के आदेश दिए और पूरे मामले को एसटीएफ को सौंप दिया था।

- **ए.डी.जी. कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि, इस मामले में अब तक कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।**
- **उल्लेखनीय है कि, गत 28 नवंबर को उत्तरप्रदेश टी.ई.टी.परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रदेश के गाजियाबाद, मथुरा और बुलंदशहर से सोशल मीडिया पर पेपर आउट हो गया। जिसके कारण परीक्षा रद्द कर दी गई।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908